सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 340, नई दिल्ली । रविवार, 16 फरवरी 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरंत समझ नहीं आते हैं, उन्हें पढ़ना पड़ता है।

03 45वें दास धर्म में पहुंचे 101 संतसेवा भाव की कोई सीमा नहीं होती - संत
06 क्यों एमबीए की डिग्री अकेले अब सफलता की गारंटी नहीं है
08 भूबनेश्वर मे आम लोग की परीशानी बढ़ा दी मो बस

परिवहन आयुक्त की हठ से दिल्ली में व्यवसायिक वाहन खरीदने वाले कितने परेशान ?

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन आयुक्त की हठ दिल्ली में पंजीकृत व्यवसायिक वाहन मालिकों को भुखमरी के साथ कर्जे में डूबा रही हैं और सब कुछ देखते हुए भी उपराज्यपाल है चुप, आखिर क्या है इसके पीछे का छुपा राज। दिल्ली के चुनावों से पहले तक दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि में शामिल वाहन मालिक इसके पीछे आम आदमी पार्टी सरकार और परिवहन आयुक्त की मिलीभक्त समझती आ रही थी और उसका जवाब उन्होंने चुनावों में दिखा दिया पर आज भी दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि में शामिल वाहन मालिक उसी समस्या से जूझ रहे हैं और उपराज्यपाल दिल्ली आंख कान और मुंह बंद करके बैठे हैं, आखिर क्यों ?

1. क्या इन सभी परेशानियों के पीछे स्वयं उपराज्यपाल दिल्ली है ?
2. क्या दिल्ली परिवहन विभाग के आयुक्त की हठ जनता की परेशानियों से ज्यादा महत्वपूर्ण है ?
3. क्या दिल्ली परिवहन आयुक्त उपराज्यपाल के दिशा निर्देश पर जनहित के स्थान पर जनता का अहित कर राजस्व इजाफा कर रहे है ?

दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि में शामिल वाहन मालिकों को आज भी समयानुसार उनके वाहनों की जांच करवाने के लिए अपॉइंटमेंट प्राप्त नहीं हो पा रही है जिस कारण वह मानसिक परेशानी के साथ आर्थिक परेशानी और कानूनी पचड़ों तक में फंसे जा रहे हैं।

1. वाहन सड़को पर तभी चलेगा जब जांच प्रमाण पत्र होगा जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पहले वाहन की जांच की आवश्यकता है और उसके लिए चाहिए आनलाइन अपॉइंटमेंट जो परिवहन आयुक्त की हठ के कारण उपलब्ध नहीं।

2. जब वाहन सड़को पर चलेगा नहीं तो परिवार का भरण पोषण कैसे करे ?

3. जब वाहन सड़को पर चलेगा नहीं तो फाइनेंस की किश्तें कहा से और कैसे भरे ?

4. वाहन की जांच की अपॉइंटमेंट पूर्व जांच के समाप्त होने तक नहीं मिली तो प्रतिदिन के हिसाब से 50 रुपए का जुर्माना वाहन मालिक कहा से लाकर भरे, जब की जांच के लिए अनिवार्य आनलाइन उपलब्ध स्वयं परिवहन विभाग नहीं करवा पा रहा क्योंकि एक निजी कम्पनी को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त ने बिना जांच पड़ताल के वाहनों की जांच के आदेश बुराड़ी वाहन जांच शाखा से बदलकर झूलझूली वाहन जांच शाखा के लिए कर दिए।

आपकी जानकारी हेतु बता दें की यही हठ पूर्व में रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने की थी और महीने बाद ही अपने आदेश स्वयं वापिस ले लिए थे और वाहनों की जांच को वापिस बुराड़ी वाहन जांच शाखा में शुरू करने के आदेश जारी कर दिए थे पर तत्काल में कार्यरत परिवहन आयुक्त अपनी हठ से दिल्ली में पंजीकृत सभी व्यवसायिक वाहन मालिकों को मानसिक और आर्थिक परेशानियों में डालकर आनन्द ले रहे है और दिल्ली के उपराज्यपाल बैठे हैं चुप !

परिवहन आयुक्त का दूसरा कार्य:- बिना जांच प्रमाण पत्र के दिल्ली की सड़को पर चलने वाले ई रिक्शा को अपने प्रिय वाहन स्क्रैप डीलरो को बल का प्रयोग कर उठवाकर सुपुर्द कर रहे है जब की बिना पंजीकरण या समय सीमा समाप्त कर चुके ई रिक्शा / वाहनों के अतिरिक्त किसी भी नियम/ कानून/ एन जी टी/ उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार स्क्रैप डीलरो को सौंपा ही नहीं जा सकता है पर परिवहन आयुक्त दिल्ली तो स्वयं भारत देश की सर्वोच्च कानून और नियम बनाने वाली पार्लियामेंट से भी ऊपर है। जिस कारण वह जो भी आदेश जारी कर दे वहीं नियम।

दिल्ली की बनने वाली भाजपा सरकार और उपराज्यपाल दिल्ली से निवेदन है परिवहन आयुक्त द्वारा जारी की गैर कानूनी तरीके के सभी आदेशों पर तत्काल रोक लगाई जाए और व्यवसायिक वाहन मालिकों को उससे आने वाली परेशानियों से मुक्त कराया जाए।

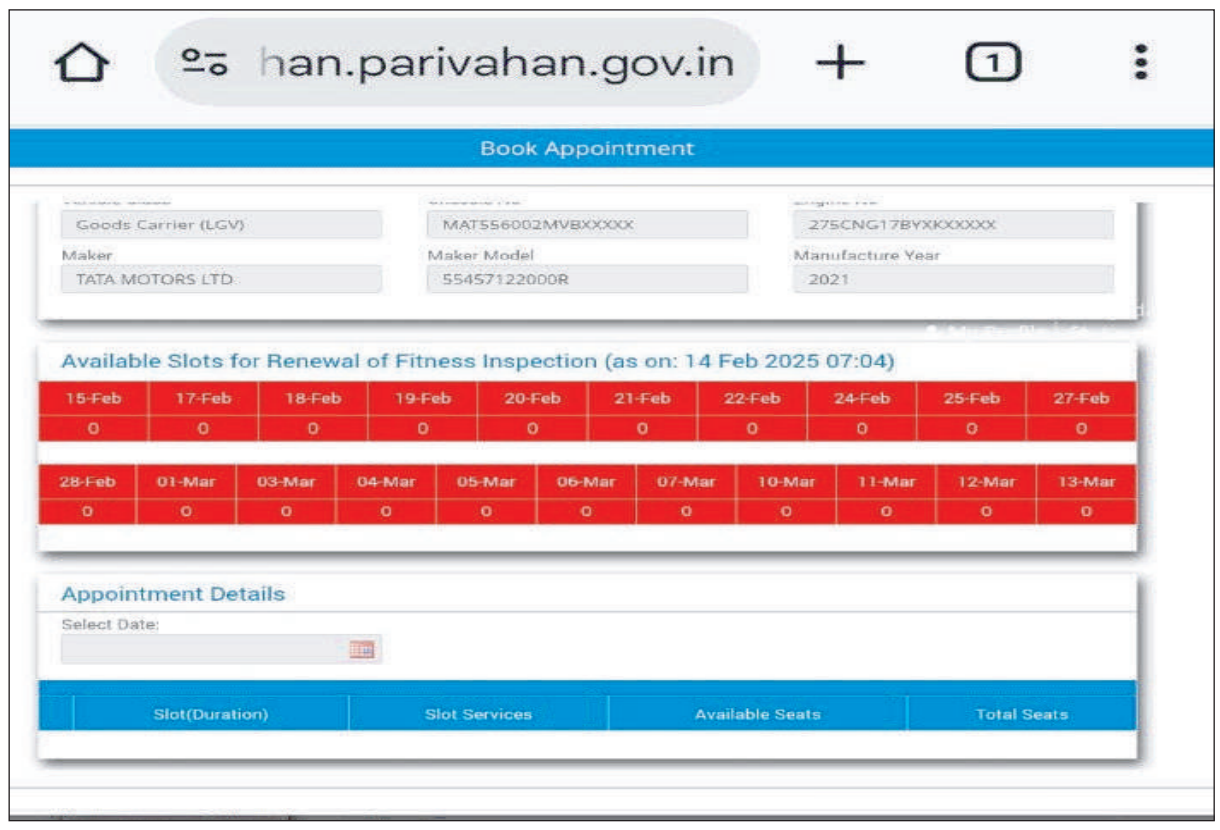

अति विशेष सूचना

""परिवहन विशेष"" हिन्दी दैनिक समाचार पत्र आर.एन.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त करने के बाद से आपके द्वारा प्राप्त भरपूर सहयोग से मार्च में अपने 2 साल पूरे कर रहा है। इन दो सालों में समाचार पत्र को निष्पक्ष रूप से चलाने में आप सभी का भरपूर सहयोग रहा हैं जिसके लिए **प्रशासनिक विभाग परिवहन विशेष आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता है** और आशा करता है की भविष्य में भी आपका सहयोग हमारे साथ ऐसे ही बना रहेगा। इन दो सालों में समाचार पत्र को राष्ट्रीय स्तर पर सभी शहरों और जिलों तक पहुंचाने और वहां की सही और सच्ची खबरें हम तक पहुंचाने वाले रिपोर्टर्स का दिल से धन्यवाद।

आप सभी को यह जान कर खुशी होगी की ""परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र"" का द्वितीय वार्षिकी समारोह अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में करने का फैसला लिया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सड़को को जाम और दुर्घटनाओं से मुक्त करवाने का उद्देश्य रखा गया है। **सड़को पर चलने वाले वाहन चालक अपनी लेन में ही ड्राइविंग करें""** पर वक्तव्य और चर्चा रखी गई है और सबसे अच्छा तर्क और समाधान प्रदान करने वाले वक्ता को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त परिवहन क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले संगठनों, सड़क सुरक्षा के प्रति कार्य करने वाले संगठनों के पदाधिकारियों एवं परिवहन विशेषज्ञों के साथ हमारे समाचार पत्र से जुड़े सभी राज्यों से जुड़े रिपोर्टर्स, लेखक, ज्योताचार्य, कवि एवम् सहायकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है।

संजय कुमार बाटला , संपादक

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में भारत की पहली 'रोड ट्रेन' को दिखाई हरी झंडी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में भारत की पहली 'रोड ट्रेन' को हरी झंडी दिखाई। वोल्वो द्वारा निर्मित, रोड ट्रेन में एक ट्रक के साथ दो गाड़ियां जुड़ी होती हैं जो माल के परिवहन के लिए होती हैं।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल 'X' पर पोस्ट कर कहा कि, "आज नागपुर में वोल्वो ग्रुप द्वारा भारत की पहली रोड ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई, जो एक अग्रणी नवाचार है जो स्थिरता को बढ़ावा देते हुए दक्षता बढ़ाता है, जो भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।"

आपको बता दें, वोल्वो द्वारा निर्मित रोड ट्रेन लॉजिस्टिक्स की दुनिया में बड़ा तहलका मचाने वाली है। इस रोड ट्रेन में एक ट्रक के साथ दो गाड़ियां जुड़ी होती हैं जो माल के परिवहन के लिए होती हैं। इससे सामान जल्दी, सस्ते और सुरक्षित तरीके से पहुंचाया जा सकेगा। इससे ईंधन की बचत होगी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। नए इनोवेटिव आइडिया की मदद से बनाई गई यह रोड ट्रेन आधुनिक तकनीक से लैस है और यह कम समय में अधिक से अधिक सामान ढुलाई में सहायक सिद्ध होगी।

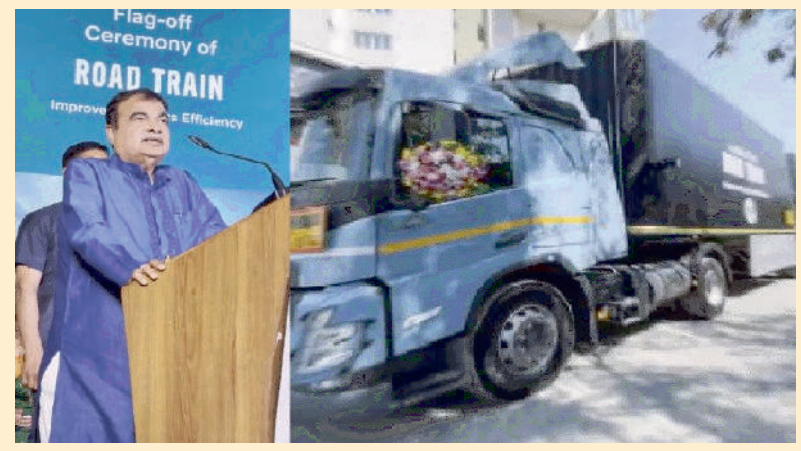

छह लेन का बनेगा एनएच-58, घाट और भोला रोड पर बनेगा ओवरब्रिज... नितिन गडकरी ने दी मंजूरी

मेरठ के पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल और वर्तमान सांसद अरुण गोविल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर मांग की थी। नितिन गडकरी की ओर से पत्र भेजकर बताया गया है कि डीपीआर का काम शुरू कर दिया गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

मेरठ से गुजर रहे दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 को छह लेन बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इसे छह लेन बनाने के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाई जा रही है। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद अरुण गोविल को पत्र लिखकर दी है। इसके साथ ही एनएच-58 पर घाट रोड व भोला रोड पर ओवरब्रिज को भी केंद्रीय मंत्री ने मंजूरी दे दी।

एनएच-58 पर यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए मेरठ के तत्कालीन सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से एलिवेटिड रोड बनाने, घाट रोड व भोला रोड पर ओवरब्रिज बनाने की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एनएच-58 पर एलिवेडिट रोड बनाने या इसे छह लेन विस्तार करने का संभावनाओं को टटोलना शुरू कर दिया है।

अरुण गोविल के मीडिया प्रभारी अमित शर्मा ने बताया कि सांसद ने भी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर एनएच-58 को छह लेन बनाने और भोला रोड व घाट रोड पर ओवरब्रिज बनाने की मांग की थी। अब केंद्रीय मंत्री ने सांसद को पत्र लिखकर बताया है कि एनएच-58 को छह लेन के निर्माण के लिए डीपीआर का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही भाजपा सांसद के प्रस्ताव पर भोला रोड व घाट रोड पर ओवरब्रिज निर्माण की सीधी स्वीकृति प्रदान कर दी है। सांसद ने कहा कि यह निर्णय लोगों के लिए सुगम यातायात व सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण साबित होगा।

महाकुंभ जा रहे छत्तीसगढ़ के लोगों से भरे वाहन और बस की टक्कर, 10 की मौत; 19 घायल

यूपी की प्रयागराज में महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो हादसे का शिकार हो गई। बोलेरो और बस की टक्कर में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 19 श्रद्धालु घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

परिवहन विशेष न्यूज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में दस श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जबकि 19 घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। साथ ही घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मेजा में प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो और बस में आमने-सामने की टक्कर हुई है।

हादसे में बोलेरो सवार सभी 10 श्रद्धालुओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह सभी छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के रहने वाले थे। बोलेरो सवार सभी 10 श्रद्धालु संगम स्नान के लिए मेला क्षेत्र में आ रहे थे।

हादसे में बस में सवार 19 श्रद्धालु भी जख्मी हुए हैं जो संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। सभी घायलों को सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया गया है। बस में सवार सभी श्रद्धालु मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं।

अपनी दिशा में आ रही थी बस

बताया जा रहा है कि टूरिस्ट बस अपनी साइड से ही जा रही थी कि सामने से तेज गति में आ रही बोलेरो सीधे टकरा गई। बोलेरो में सवार चालक समेत 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। बस में सवार श्रद्धालु घायल रोडमल ने बताया दुर्घटना के समय

बस में सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे, अचानक भीषण टक्कर हुई। दुर्घटना के समय मैं जाग रहा था और बस के केबिन में बैठा था। बोलेरो तेज गति में आकर सामने से भिड़ गई।

हादसे में मृत श्रद्धालुओं की पहचान

बोलेरो में सवार छत्तीसगढ़ कोरबा के रहने वाली ईश्वरी प्रसाद जायसवाल, संतोष सोनी, भागीरथी जायसवाल, सोमनाथ, अजय बंजारे, सौरभ कुमार सोनी, गंगा दास वर्मा, शिवा राजपूत, दीपक वर्मा, राजू साहू की मौत हो गई।

सभी की मृतकों की शिनाख्त उनकी जेब में मिले आधार कार्ड और मोबाइल नंबर से हो पाई। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। परिजन छत्तीसगढ़ से रवाना हो चुके हैं। बोलेरो में सवार सभी श्रद्धालु छत्तीसगढ़ से सीधे प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे।

प्रयागराज हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख जताया है। उन्होंने लिखा कि ₹उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मिर्जापुर हाईवे पर हुए सड़क हादसे में कई लोगों की मौत की खबर दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।₹

प्रयागराज के सीएमओ एके तिवारी ने कहा, ₹प्रयागराज में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई जब एक बस और बोलेरो में टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो में बैठे सभी लोगों की मौत हो गई... सभी पीड़ित छत्तीसगढ़ से प्रयागराज आ रहे थे, और बस प्रयागराज से रायगढ़ जा रही थी..."

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज जिले में हुई सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की।

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय ने ट्वीट कर कहा कि ₹उत्तर प्रदेश के प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर मेजा क्षेत्र में प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने जा रहे कोरबा जिले के 10 श्रद्धालुओं की दुर्घटना में मृत्यु की खबर से मुझे दुःख हुआ है। कोरबा जिला प्रशासन को स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। ॐ शांति !"

मोधेश्वरी माता का प्राकट्य दिवस

श्री मोधेश्वरी माता मंदिर गुजरात के मोढेरा में स्थित है। श्री मोधेश्वरी माता मंदिर देवी दुर्गा के एक रूप देवी मोधेश्वरी को समर्पित एक मंदिर है। यह मंदिर गुजरात के मोध राजवंश के बीच बहुत प्रसिद्ध है क्योंकि देवी मोधेश्वरी को मोध राजवंश की देवी माना जाता है। यह हिंदू संस्कृति के बेहतरीन मंदिरों में से एक है।

मोधेश्वरी माता का 18 भुजाओं वाला रूप श्री मोधेश्वरी माता मंदिर में देवी पार्वती के देवी मोधेश्वरी रूप को 18 भुजाओं के लिए जाना जाता है क्योंकि प्रत्येक हाथ में कबीले को खतरे से बचाने के लिए विभिन्न हथियार हैं। त्रिशूल से लेकर खंजर, तलवार, खड़ग, कमंडल, शंख, गदा, पाशा, डंडा, डमरू और बहुत कुछ; देवी मोधेश्वरी के हाथों में विभिन्न प्रकार के हथियार देखे जा सकते हैं।

श्री मोधेश्वरी माता मंदिर की पौराणिक कथा हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक राक्षस था जो गांव में उत्पात मचा रहा था और ग्रामीणों के पास सुरक्षा के लिए देवी पार्वती से प्रार्थना करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। देवी पार्वती के मोधेश्वरी रूप ने बाद में अपने मुंह से आग और 18 भुजाओं में रखे हथियारों से राक्षस को मार डाला। इस किंवदंती के कारण, मोध कबीले का मानना था कि देवी मोधेश्वरी कबीले की देवी थीं। मातंगी मोधेश्वरी मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित प्रसिद्ध और प्राचीन मंदिर के बगल में स्थित है जो अब खंडहर में है। मंदिर के खंडहरों को दूर से देखा जा सकता है और भक्तों को भगवान सूर्य की पूजा करते भी देखा जा सकता है।

श्री मोधेश्वरी माता मंदिर में उपलब्ध सुविधाएं श्री मोधेश्वरी माता मंदिर मंदिर काफी ऐतिहासिक है, स्वच्छ परिसर और शांतिपूर्ण वातावरण के साथ पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए मंदिर में एक रेस्तरां उपलब्ध है। सुंदर वास्तुशिल्प निर्माण और चारों ओर पेड़ों के साथ यह दिव्य मंदिर काफी अद्भुत है।

श्री मोधेश्वरी माता मंदिर कैसे पहुँचें? श्री मोधेश्वरी माता मंदिर अहमदाबाद से 98 किमी की दूरी पर स्थित है।

द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी

हिंदू धर्म शास्त्रों में चतुर्थी तिथि बहुत अधिक महत्वपूर्ण बताई गई है। चतुर्थी तिथि विघ्नहर्ता भगवान गणेश को समर्पित है। हर महीने के कृष्ण पक्ष कीज़ चतुर्थी तिथि को संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाता है। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष में जो चतुर्थी तिथि पड़ती है। उसे द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश का पूजन और व्रत किया जाता है। द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा और व्रत के साथ-साथ चंद्रदेव की भी उपासना की जाती है। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य की कामना के लिए व्रत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी पर व्रत करने से विघ्नों का नाश और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

कब है द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थ? फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 15 फरवरी को रात को 11 बजकर 52 मिनट शुरु होगी। ये तिथि 17 फरवरी को रात 2 बजकर 15 मिनट पर समाप्त हो जाएगी। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, 16 फरवरी को द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा।

ऐसे हुई व्रत की शुरुआत पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार माता पार्वती किसी बात को लेकर भगवान शंकर से नाराज हो गईं थी। तब भगवान शिव ने माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह व्रत किया था। इसके बाद माता पार्वती प्रसन्न हुईं और शिवलोक लौट आईं। यह व्रत माता पार्वती के साथ-साथ गणेश जी को भी प्रिय है, इसलिए इस व्रत को द्विजप्रिया संकष्टी चतुर्थी भी कहा जाता है।

द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी व्रत का महत्व द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी के दिन व्रत करने से संतान को लंबी उम्र और बेहतर स्वास्थ्य का आशिर्वाद तो मिलता ही है। साथ ही इस दिन पूजन और व्रत करने वालों को विशेष लाभ मिलता है। इस दिन व्रत और पूजन करने वालों के सभी संकट भगवान गणेश दूर करते हैं। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

पूजा विधि द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी के दिन प्रातः काल स्नान करें।

फिर मंदिर को साफ करके वहां लकड़ी की चौकी रखें। उसपर लाल कपड़ बिछाकर गणेश जी की मूर्ति या तस्वीर रखें फिर विधि विधान से भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा के समय गणेश जी को पीले गेंदे के फूल, पांच हरी दूर्वा, पान और फल चढ़ाएं। भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाएं। भगवान गणेश के मंत्रों का जाप अवश्य करें। अंत में आरती करके पूजा का समापन करें।

ज्येष्ठा नक्षत्र में जन्मे जातक का स्वभाव, कैरियर ,रोग और उपाय

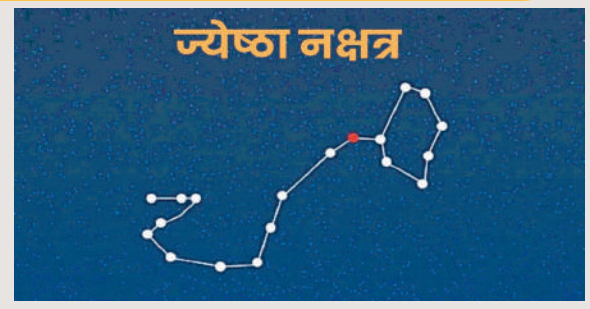

हमारे नक्षत्र मंडल में लाल रंग का बड़ा तारा ज्येष्ठा नक्षत्र है। ज्येष्ठ शब्द का अर्थ होता है "सबसे बड़ा या सर्वोच्च" यहीं कारण है कि इसे नक्षत्रों में सर्वोच्च माना गया है। ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा ज्येष्ठा नक्षत्र में ही गोचर होता है। इस नक्षत्र के नक्षत्रपति बुध तथा देवता देवराज इंद्र को माना जाता है।

स्वभाव: ज्येष्ठा नक्षत्र में जन्मे जातक जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ, मानसिक रूप से अशांत, जल्द ही बूढ़ा होने वाला , धार्मिक तथा ज्ञानी प्रवृत्ति का होता है। ऐसा जातक ऊंच नीच का भेद भाव नहीं करता। कुछ विद्वानों के अनुसार इस नक्षत्र में जन्मे जातक संतोषी, कुशल वक्ता, कामी तथा क्रोधी स्वभाव के होते हैं।

कैरियर: ज्येष्ठा नक्षत्र में जन्मे जातक प्रबंधक, व्यवस्थापक, कलाकार, अभिनेता, सरकारी कर्मचारी, शल्य चिकित्सक, जलयान सेवा, नेवी, नेता, कथावाचक, सुरक्षा अधिकारी, सेना से जुड़े कार्य आदि में कैरियर बनाकर सफलता अर्जित करता है।

रोग: ज्येष्ठा नक्षत्र में जन्मा जातक को जोड़ो के दर्द, सर दर्द, गर्दन से संबंधित परेशानी, वात और कफ संबंधित रोग, दस्त, दमा आदि रोगों से परेशान रहता है।

उपाय: इस नक्षत्र के लोगो को भगवान विष्णु की उपासना करना अत्यंत लाभप्रद होता है। ॐ विष्णुवें नमः मंत्र का जाप 1 माला करने से सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण होती है।नीला, आसमानी, लाल, काला या हरे रंग का उपयोग इनके लिए भाग्यशाली होता है।

आखों की समस्याएं

1. रात्रिअंधता तथा हल्के कंजक्टिवल परिवर्तनों में विटामिन ए को 9,000 मा. ग्रा. में प्रतिदिन एक सप्ताह लेने पर आराम आता है।

2. कोर्निया की क्षति को इमरजेंसी समझकर इलाज करना चाहिये तथा इसका सामान्य निदान 6,000 मा. ग्रा. प्रति 1 किलो शारीरिक वजन, प्रतिदिन 5 दिनों के लिये होता है।

3. छोटे बच्चों में विटामिन ए की कमी को पूरा करने के लिये विटामिन ए की बड़ी खुराकों का प्रयोग किया जाता है।

4. युवा बच्चों में आंखों का सुखापन विटामिन ए की कमी के कारण होता है।

5. जिसमें 60,000 मा. रेटिनॉल को मुख द्वारा एक हो खुराक में लिया जा सकता है। जिससे लाभदायक परिणाम मिलते हैं। इस खुराक को प्रत्येक 6 मास में बिना किसी नकारात्मक प्रभाव के दोहराया जा सकता है।

विटामिन 'ए' का आयुर्वेदिक रूप यह जल में अघुलनशील विटामिन है। पीले फलों, सब्जियों तथा गहरे हरे रंग की पत्तियों वाली सब्जियों में कैरोटिन नाम का रंजक पाया जाता है। यह कैरोटिन ही फल और सब्जियों को पीला तथा नारंगी रंग प्रदान करता है। इसी कैरोटिन के नाम पर विटामिन 'ए' का नाम भी कैरोटिन रख दिया गया है। कैरोटिन साधारण तापमान पर नष्ट नहीं होता।

विटामिन ए के स्त्रोत

1) हरी पत्तेदार सब्जियां, पीले फल जैसे पपीता, गाजर आदि।

2) प्राणिजन्य पदार्थ जैसे मछली का तेल, लीवर, मक्खन, गाय का घी जिसके 1 ग्राम में 20-25 आइ.यू. विटामिन 'ए' पाया जाता है।

3) दूध और दूध से बने पदार्थ।

विटामिन 'ए' की दैनिक आवश्यकताः- विटामिन 'ए' की प्रतिदिन की आवश्यकता 2500-3500 आई. यू. (इन्टरनेशनल यूनिट) है।

विटामिन --A ज्यादा लेने के नुकसान चमड़ी में खुश्की ,खराब होना ,हड्डियों में सूजन और दर्द ,जोड़ों में दर्द ,लीवर का बढ़ना ,सिर चकराना ,उल्टी ,अनजानी घबराहट ,बेहोशी ,सिरदर्द ,देखने में मुश्किल ,थकावट ,बाल झड़ने ,औरतों में मासिक धर्म संबंधी रोग। गर्भ के दौरान खास सावधानी ,ज्यादा विटामिन --A पेट में पल रहे बच्चे को नुकसान दे सकता है।

प्लेटसलेटस बढ़ाने के लिये घरेलू उपाय

प्लेट्सलेट्स हमारे खून का वह महत्तवपूर्ण भाग हैं जो खून का थक्का बनने में मदद करती हैं । ये लाल रक्त कणिकाओं (R.B.C.) और सफेद रक्त कणिकाओं (W.B.C.) दोनों से ही छोटी होती हैं ।

प्लेट्सलेट्स महत्तवपूर्ण क्यों हैं ? जब भी हमारे शरीर में कही चोट लगने से या अन्य किसी कारण से रक्तवाहिकायें फट जाती हैं और खून निकलना शुरू हो जाता है तो ये प्लेट्सलेट्स आपस में जुड़कर खून निकलने की जगह को ब्लॉक करके खून का थक्का बनने की प्रक्रिया को शुरू करवाती हैं ।

सामान्य प्लेट्सलेट्स की सँख्या खून में प्लेट्सलेट्स की सँख्या 1,50,000 से 4,50,000 प्रति माइक्रो लीटर होती है । जब किसी के रक्त में प्लेट्सलेट्स की सँख्या 1,50,000 से कम हो जाती है तो उसको प्लेट्सलेट्स का कम होना मान लिया जाता है । प्लेट्सलेट्स की सँख्या का पता लेबोरेट्री में रक्त की जाँच के द्वारा हो जाता है ।

प्राकृतिक रूप से प्लेट्सलेट्स बढ़ाने के घरेलू उपाय

1. पपीते की पत्तियों का रस पपीते की पत्तियों के रस का प्रयोग प्लेट्सलेट्स की सँख्या को बढ़ानें के लिये बहुत ही लाभकारी होता है । पपीते की पत्तियों का रस तैयार करने का तरीका निम्न प्रकार है पपीते की 4-5 ताजी पत्तियॉ लेकर उनको ताजे पानी में अच्छी तरह से धोकर सिल-बट्टे अथवा मिक्सी में चटनी जैसा बना लें । अब इसको साफ सूती कपड़े में ड़ालकर पोटली बाँधकर इसमे से रस निचोड़ लें और किसी साफ बरतन में एकत्रित कर लें । यह रस दिन में दो बार ताजा निकाल कर पीना है ।

2. गिलोय का सेवन प्लेट्सलेट्स की सँख्या बढ़ाने के लिये गिलोय का प्रयोग भी बहुत ही प्रभावकारी होता है । वस्तुतः गिलोय को आयुर्वेद में अमृता कहा जाता है अर्थात जो मरती हुयी प्लेट्सलेट्स को पुनः जिंदा कर दे । प्लेट्सलेट्स बढ़ाने के लिये गिलोय का तना प्रयोग में लाया जाता है । प्रयोग विधी निम्न प्रकार है — 5 से०मी० लम्बे गिलोय के तने के पाँच टुकड़े लेकर उनको 2 गिलास ताजे पीने के पानी में रात भर के लिये भिगो दें । अगले दिन सुबह को इस पानी के अंदर तुलसी के पाँच पत्ते और मिलाकर इसको गैस पर रख दें और तब तक उबालें जब तक पानी आधा अर्थात एक गिलास ही शेष रहे । अब इसको ठण्ड़ा होने दें और ठण्ड़ा होने पर पी लें । यह प्रयोग रोज सुबह खाली पेट करना चाहिये ।

3. गेंहूँ के ज्वारे का प्रयोग गेंहूँ के ज्वारों का जूस का सेवन करने से प्लेट्सलेट्स की सँख्या बहुत ही तेजी से बढ़ती है । इसका भरपूर लाभ उठाने के लिये विधी निम्न प्रकार है

एक गमले में साफ मिट्टी भरकर उसमें आधी मुठ्ठी गेंहूँ अथवा जौ डालकर रोज सुबह शाम थोड़ा थोड़ा पानी डालिये छः-सात दिन में ही लगभग आठ-दस इंच लम्बे ज्वारे उग जायेंगें । इन ज्वारों को नीचे की तरफ से काटकर मिक्सी में ड़ालकर उसमे बहुत थोड़ा सा पानी मिलाकर जूस तैयार कर लीजिये । यह जूस एक गिलास रोज सुबह पीना चाहिये । यह जूस इतना लाभकारी होता है कि इसको हरा रक्त भी कहा जाता है । इस जूस को रोज पी सकने के लिये आपको आठ-दस गमलों में ज्वारें उगाने चाहिये । रोज एक गमले के ज्वारे काटकर उसमे पुनः आधी मुठ्ठी गेंहूँ अथवा जौ तुरंत दोबारा ड़ाल देने चाहिये जिससे बाकी गमलों के ज्वारे समाप्त होते होते इस गमले के ज्वारे पुनः तैयार हो जायें ।

आयुर्वेद अपनाए स्वस्थ जीवन पाए

सत्ताईस नक्षत्रों के वृक्ष

ज्योतिष के अनुसार 9 ग्रहों का प्रभाव मानव ,जीवो, पेड़ पोधो, पर पड़ता है। हर ग्रह का एक नक्षत्र होता है। परन्तु हर नक्षत्र का एक वृक्ष होता है । नक्षत्रो के माध्यम से भी ग्रहों के कुप्रभाव को सही किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति अपने नक्षत्र के अनुसार वृक्ष की पूजा करके अपनें नक्षत्र को ठीक कर सकता है। यदि जन्म नक्षत्र अथवा गोचर के समय कोई नक्षत्र पीड़ित चल रहा हो तब उस नक्षत्र से संबंधित वृक्ष की पूजा करने से पीड़ा से राहत मिलती है।

नक्षत्रों से संबंधित वृक्ष

1. अश्विनी नक्षत्र का वृक्ष :— केला, आक, धतूरा ।
२. भरणी नक्षत्र का वृक्ष :— केला, आंवला।
३. कृतिका नक्षत्र का वृक्ष :— गूलर ।
4. रोहिणी नक्षत्र का वृक्ष :— जामुन ।
5. मृगशिरा नक्षत्र का वृक्ष :— खैर।
6. आर्द्रा नक्षत्र का वृक्ष :— आम, बेल ।
7. पुनर्वसु नक्षत्र का वृक्षः— बांस ।
8. पुष्य नक्षत्र का वृक्ष :— पीपल ।
9. आश्लेषा नक्षत्र का वृक्ष :— नाग केसर और चंदन।
10. मघा नक्षत्र का वृक्ष :— बड़।
11. पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र का वृक्ष :- ढाक।
१२. उत्राफाल्गुनी नक्षत्र का वृक्ष :- बड़ और पाकड़।
१३. ह्स्त नक्षत्र का वृक्ष :— रीठा।
14. चित्रा नक्षत्र का वृक्ष :— बेल।
15. स्वाति नक्षत्र का वृक्ष :— अर्जुन।
16. विशाखा नक्षत्र का वृक्ष :— नीम।
17. अनुराधा नक्षत्र का वृक्ष :— मौलसिरी।
18. ज्येष्ठा नक्षत्र का वृक्ष :— रीठा।
19. मूल नक्षत्र का वृक्ष :— राल का पेड़।
२०. पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का वृक्ष :— मौलसिरी/जामुन।
२१. उत्राषाढ़ा नक्षत्र का वृक्ष :— कटहल।
२२. श्रवण नक्षत्र का वृक्ष :— आक।
२३. धनिष्ठा नक्षत्र का वृक्ष :— शमी और सेमर।
२४. शतभिषा नक्षत्र का वृक्ष :— कदम्ब।
२५. पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र का वृक्ष :— आम।
२६. उत्राभाद्रपद नक्षत्र का वृक्ष :— पीपल और सोनपाठा।
२७. रेवती नक्षत्र का वृक्ष :— महुआ।

इन पेड़ों की पूजा करने से ही नक्षत्रों का दोष दूर हो जाता है। प्रतिदिन इन पेडो.के दर्शन मात्र से नक्षत्र का दोष दूर हो जाता है!

आवाज या गला बैठने के उपचार के लिए आयुर्वेदिक नुस्खे

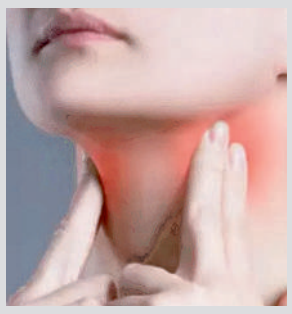

गला बैठना एक आम समस्या होती है, इसमें गले की आवाज असाधारण रूप से बदल जाती है। गला बैठने की समस्या अक्सर गला सूखने या गले में खुजली व जलन जैसी समस्याओं के साथ होती है। गला बैठने का सबसे मुख्य कारण जुकाम या साइनस संक्रमण होता है। ये समस्याएं दो हफ्तों के भीतर अपने आप ठीक हो जाती हैं। गला बैठने से बचाव करने के लिए डॉक्टर धूम्रपान छोड़ने, पेट में जलन (एसिडिटी) पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ ना खाने, गर्म पेय पदार्थों का सेवन करने और अपनी आवाज को कुछ दिनों के लिए आराम देने की सलाह देते हैं। गला बैठने का इलाज करने के लिए इसका कारण बनने वाली समस्याओं का पता लगा कर उनका इलाज किया जाता है। यदि गला बैठने का इलाज ना किया जाए तो इससे गले में गंभीर संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गला बैठने से आवाज कम होना और बलगम वाली खांसी होने जैसी समस्याएं भी पैदा हो जाती हैं।

अगर आप भी गले के बैठने के बाद पुनः अपनी आवाज़ को मधुर और सुरीली बनाना चाहतें हैं तो ज़रूर आजमायें ये घरेलू नुस्खे

1. अदरक का रस 10 ग्राम ,निम्बू का रस 10 मिली और एक ग्राम सेंधा नमक मिलाकर दिन में तीन बार आहिस्ता -आहिस्ता पीने से आवाज ठीक होती है।

2. मुलेठी, आंवला, मिश्री प्रत्येक 2 ग्राम का काढा 50 मिली बनाकर पीने से गला बैठने में लाभ होता है।

3. आवाज सुरीली बनाने के लिए 10 ग्राम बहेड़ा की छाल को गोमूत्र में भावित कर चूसने से आवाज कोयल जैसी सुरीली हो जाती है। किसी चूर्ण को किसी द्रव पदार्थ में मिलाकर सूख जाए तब तक घोटना-इसे भावित करना कहते हैं।

4. जामुन की गुठलियाँ को पीसकर शहद में मिलाकर गोलियां बनालें एक गोली दिन में चार बार चूसें। गले की आवाज बैठने में हितकारी उपाय है। खांसी में भी लाभकारी है। भाषण देने वालों और गायकों के लिए यह नुस्खा अमृत तुल्य है। आवाज का भारीपन भी ठीक हो जाता है।

5. सोते समय एक ग्राम मुलहठी की छोटी सी गांठ मुख में रखकर कुछ देर चबाते रहे। फिर मुंह में रखकर सो जाए। सुबह तक गला साफ हो जायेगा। मुलहठी चूर्ण को पान के पत्ते में रखकर लिया जाय तो और भी अच्छा रहेगा। इससे सुबह गला खुलने के साथ-साथ गले का दर्द और सूजन भी दूर होती है।

6. जिन व्यक्तियों के गले में निरंतर खराश रहती है या जुकाम में एलर्जी के कारण गले में तकलीफ बनी रहती है, वह सुबह-शाम दोनों वक्त चार-पांच मुनक्का के दानों को खूब चबाकर खा लें, लेकिन ऊपर से पानी ना पिएं। दस दिनों तक लगातार ऐसा करने से लाभ होगा।

7. कच्चा सुहागा आधा ग्राम मुंह में रखें और उसका रस चुसते रहें। दो तीन घण्टों मे ही गला बिलकुल साफ हो जाएगा।

8. रात को सोते समय सात काली मिर्च और उतने ही बताशे चबाकर सो जायें। बताशे न मिलें तो काली मिर्च व मिश्री मुंह में रखकर धीरे-धीरे चूसते रहने से बैठा गला खुल जाता है।

9. 1 कप पानी में 4-5 कालीमिर्च एवं तुलसी की थोंडी सी पत्तियों को उबालकर काढ़ा बना लें और इस काढ़े को पी जाए।

10. गुनगुने पानी में नमक मिला कर दिन में दो-तीन बार गरारे करें। गरारे करने के तुरन्त बाद कुछ ठंडा न लें। गर्म चाय या गुनगुना पानी पिएं जिससे गले को आराम मिलेगा।

11. गले में खराश होने पर सुबह-सुबह सौंफ चबाने से बंद गला खुल जाता है।

छात्रों के नवाचार ही विकसित भारत का आधार : डॉ यादव

||उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन||

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। संगम विश्वविद्यालय के उद्यमिता और कौशल केंद्र द्वारा उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संगम विश्वविद्यालय को विज्ञान और तकनीकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रदत आई टी बी आई सेंटर के गवर्निंग बोर्ड की दूसरी बैठक से हुई। बैठक में संगम यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो करुणेश सक्सेना, प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली के पर्यवेक्षक डॉ सी एस यादव, संगम समूह से पलक मोदानी, उपकुलपति प्रो मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रो राजीव मेहता, वनस्थली विद्यापीठ से डॉ अभिषेक पारीक, आईआईएम उदयपुर से श्री अभ्युदय गोयल, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान से डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ शैलेश पाटीदार और कमल कोडवानी उपस्थित रहे। बोर्ड के सदस्य सचिव और मुख्य अन्वेषक डॉ मनोज कुमावत ने बताया की कुलपति प्रोफेसर करुणेश सक्सेना ने संगम आई-टीबीआई के बारे में बोर्ड के सदस्यों को प्रस्तुति के माध्यम से परिचित कराया।संगम ग्रुप से पलक मोदानी ने क्षेत्र के युवाओं के लिए कल्याणकारी उपायों को बनाए रखने में संगम समूह की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। पर्यवेक्षक डॉ सी एस यादव सहित सभी बोर्ड सदस्यों ने इस परियोजना के सफल सञ्चालन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित मेकर स्पेस, थ्री डी प्रिंटिंग, और स्टार्टअप्स प्रोत्साहन सेंटर का निरीक्षण किया गया।

विद्यार्थियों हेतु उद्यमिता प्रोत्साहन सत्र और युवा उद्यमियों द्वारा चर्चा का कार्यक्रम रखा गया। उद्यमिता प्रोत्साहन सत्र डॉ कल्पना नेभनानी और डॉ तनूजा सिंह द्वारा लिया गया। युवा उद्यमियों द्वारा एक्सपर्ट चर्चा में पीसी एजुकेशन के प्रशांत परमार, सौलस ग्लोबल के संजय सोनी, एबिलिटी एडवोकेसी से ऋत्विक जोशी, जिक्कु से डॉ प्रियंका मेहता, केडिएस एंटरप्राइज के कमल कोडवानी और टेक्नो लाइन मशीन्स से सीए विशाल जैन ने अपना योगदान दिया। चर्चा में सभी उद्यमियों ने स्टार्टअप को शुरू करने और चलाने में आने वाले अलग अलग पड़ावों की चर्चा की और साथ ही इस अनुभव को अत्यंत रोमांचकारी बताया। कार्यक्रम के अंत में डिएसटी, नई दिल्ली से आये वैज्ञानिक डॉ चंद्र शेखर यादव ने भारत सरकार द्वारा नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए चलाई जा रही योजनाओ के बारे में बताया तथा विद्यर्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित आईटीबीआई केंद्र का उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम के सफल संचालन में छात्रों की टीम निकिता, दिशा, पियूष मिहिका, सेजल का सहयोग रहा।

बिखर रहे चूल्हे सभी, सिमटे आँगन रोज। नई सदी ये कर रही, जाने कैसी खोज॥

-प्रियंका सौरभ

आज सभी को एक संस्था के रूप में पारिवारिक मूल्यों और परिवार के बारे में सोचने-समझने की बेहद सख्त ज़रूरत है और साथ ही इन मूल्यों की गिरावट के कारण ढूँढकर उनको दुरुस्त करने की भी ज़रूरत है। इसके लिए समाज के कर्णधार कवि / लेखकों / गायकों / नायक / नायिकाओं / शिक्षक वर्गों और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ-साथ राजनीतिज्ञों को एक संस्था के रूप में परिवार के पतन के निहितार्थ के बारे में भी लिखना और सोचना चाहिए। खुले मंचो से इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि इस गिरावट के कारण क्या है? और इस गिरावट से कैसे उभरा जा सकता है? युवा कवि डॉ सत्यवान सौरभ ने इस स्थिति को अपने शब्दों में कहते हुए सही लिखा है कि-

"टूट रहे परिवार हैं, बदल रहे मनभाव।
प्रेम जताते ग़ैर से, अपनों से अलगाव॥
बिखर रहे चूल्हे सभी, सिमटे आँगन रोज।
नई सदी ये कर रही, सौरभ कैसी खोज॥"

परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। नैतिक मज़बूती के साथ-साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे है।

"घर-घर में मनभेद है, बचा नहीं अब प्यार॥
फूट-कलह ने खींच दी, हर आँगन दीवार॥
स्नेह और आशीष में, बैठ गई है रार।
अरमानों के बाग़ में, भरा जलन का खार॥"

गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईयारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है। वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है। परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुज़ुर्गों की देखभाल आदि; बाहर की एजेंसियों, जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी।

"बड़े बात करते नहीं, छोटों को अधिकार।
चरण छोड़ घुटने छुए, कैसे ये संस्कार॥
कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार।
परिजन ही दुश्मन हुए, छुप-छुप करे प्रहार॥"

परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है। एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से सम्बंध हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक सम्बंधों के कारण जोड़कर रखता है। नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद-पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक-आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है। परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आये दिन कहीं न कहीं बुज़ुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है।

भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में हो सकता है। हालाँकि, संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहाँ परिवार प्रणाली किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार के रूप में रहते हैं।

"बच गए परिवार तब, रहता है समभाव।
दुःख में सारे साथ हो, सुख में सबसे चाव॥
अगर करें कोई तीसरा, सौरभ जब भी वार॥
साथ रहें परिवार के, छोड़े सब तकरार॥"

परिवार एक बहुत ही तरल सामाजिक संस्था है और निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया में है। आधुनिकता समान-लिंग वाले जोड़ों (एलजीबीटी सम्बंध), सहवास या लिव-इन सम्बंधों, एकल-माता-पिता के घरों, अकेले रहने वाले या अपने बच्चों के साथ तलाक का एक बड़ा हिस्सा उभरने का गवाह बन रहा है। इस तरह के परिवारों को पारंपरिक रिश्तेदारी समूह के रूप में कार्य करना आवश्यक नहीं है और ये सामाजीकरण के लिए अच्छी संस्था साबित नहीं हो सकती। भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है।

कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वार्तालाप को लुप्त कर दिया है। पत्थर होते हर आंगन में फ़ूट-कलह का नंगा नाच हो रहा है। आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है। बड़े-बुज़ुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है। फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है। एक तरफ़ सुख में पड़ोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है। हमें ये सोचना-समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायेंगे और ये समाज रहने लायक होगा।

महाकुंभ महात्म, श्रीमद् भागवत कथा एवं महाशिवपुराण कथा में भक्तजन अवश्य पधारे: पेरिका सुरेश

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। मिशन नमो बंदे गो मातरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारत धर्म के महामंत्री एवं श्री अयोध्या रामा चैरिटेबल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष, सनातन धर्म अनुरागी पेरिका सुरेश ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों को जानकारी देते हुए बताया कि उनके सौजन्य एवं भगवत कृपा से 24 फरवरी को एक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रयागराज का आध्यात्मिक महत्व, त्रिवेणी संगम पर स्नान दान के पुण्यफल, कुंभ मेला काआयोजन कैसे शुरू हुआ तथा इसका आध्यात्मिक पक्ष क्या है, अमृत स्नान किसे कहते हैं आदि पर महान संतों द्वारा प्रकाश डाला जाएगा।उन्होंने कहा कि नागा साधु जो पूरी तरह से सांसारिक दुनिया से अलग रहते हैं वह महाकुंभ के समय प्रयागराज कैसे पहुंच जाते हैं, ईश्वर एवं प्रकृति के इस विधान के बारे में भी धर्माचार्य विस्तार से जानकारी देंगे। 25 फरवरी को श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के मुखार बिंदु से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करने का दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा।संत श्री रामभद्राचार्य जी महाराज श्रीमद् भागवत के मर्मस्पर्शी ज्ञान पर प्रकाश डाल कर हम सभी को कृतार्थ करेंगे। 26 फरवरी को संत श्री कमलेश दासजी महाराज द्वारा शिव महापुराण का वर्णन किया जाएगा।इसमें सभी भक्तजन उपस्थित होकर ज्ञान एवं भक्ति की गंगोत्री में डुबकी लगाए।हिंदू धर्म अनुरागी पेरिका सुरेश लगभग एक माह से महाकुंभ में भक्त जनों की सहायता, सहयोग में लगे हैं। उनके कर कमलो से 10,000 साधु संतों को कंबल वितरित किए गए, वही वह प्रतिदिन 2000 साधु संतों एवं भक्तों के भोजन की व्यवस्था लगातार कर रहे हैं।

सीएम आवास में सोने का टॉयलेट, स्विमिंग पूल और मिनी बार सिर्फ भाजपा का झूठा प्रचार है- आप

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने भाजपा को नकारात्मक राजनीति को छोड़कर सकारात्मक राजनीति करने की सलाह दी है, ताकि वह दिल्ली की जनता से किए अपने वादों को पूरा कर सके। ₹आपर की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अगर सीएम आवास में किसी नियम का उल्लंघन हुआ है तो भाजपा ने मीडिया को उसके अंदर जाने क्यों नहीं दिया? जनता को भी पता चलना चाहिए कि वहां सोने का टॉयलेट, स्विमिंग पूल और मिनी बार बना है या सिर्फ भाजपा का झूठा प्रचार है। अगर भाजपा को जांच ही करानी है तो राजमहल की करानी चाहिए कि कैसे 2750 करोड़ में बना और किसने 300 करोड़ की कालीन, 200 करोड़ के झूमर की मंजूरी दी।

मीडिया से बातचीत के दौरान आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली की जनता ने भाजपा को चुना है, इसलिए अब उसे कम से कम सकारात्मक राजनीति शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने दिल्ली वालों से बहुत वादे किए हैं। उनका सबसे बड़ा वादा था कि 8 मार्च तक दिल्ली की सभी महिलाओं को 2500 रुपए मिलने शुरू हो जाएंगे। भाजपा को इस पर काम करना चाहिए। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अगर 6 फ्लैग स्टाफ रोड पर किसी नियम का उल्लंघन हुआ था, तो भाजपा ने मीडिया को अंदर क्यों नहीं जाने दिया? क्योंकि मीडिया देख लेती कि यह इनका बनाया हुआ केवल झूठ का प्रचार था। वहां न कोई सोने का टॉयलेट है, न कोई स्विमिंग पूल है और न कोई मिनी बार है। इसलिए मीडिया को बाहर ही रोक दिया गया। अगर निष्पक्ष जांच करनी है, तो उन्हें राजमहल की जांच करनी चाहिए। कोरोना के समय में किस तरह जनता के 2750 करोड़ रुपए लगाकर प्रधानमंत्री मोदी का राजमहल बना। 300 करोड़ रुपए की कालीन, 200 करोड़ रुपए के झूमर और डेढ़ सौ करोड़ रुपए के सिंहासन को किसने मंजूरी दी? राजमहल में बनी उस टनल की किसने मंजूरी दी? इन्हें यह सब दिखना चाहिए और एक निष्पक्ष जांच करनी चाहिए।

कविता

सौंदर्य ही इतना खूबसूरत है...!

जानम तेरा सौंदर्य ही इतना खूबसूरत है,
ये लिपिस्टिक लगाने की क्या जरूरत है।
खुद को और कितना खूबसूरत बनाना है,
जानू पहले से ही जमाना तेरा दिवाना है।
ये तेरी आँखें शराब नहीं अब मयखाना है,
हमको तो इस समुंदर में से तैर आना है।

जानम तेरा सौंदर्य ही इतना खूबसूरत है,
ये लिपिस्टिक लगाने की क्या जरूरत है।
क्या? तेरे होठों की लाल-लाल है लाली,
जरा नजरें उठालें देख भौंहे सफेद काली।
अब तो सनम त्याग दें न्यूनवस्त्रों का मोह,
सभी छूट गए जिंदगी के आरोह-अवरोह।

जानम तेरा सौंदर्य ही इतना खूबसूरत है,
ये लिपिस्टिक लगाने की क्या जरूरत है।
अब इतना भी बन-ठनके ना निकला कर,
देखता हूँ मैं सोच-समझ के पिघला कर।
तेरे और मेरे लिए जमाना खराब है मगर,
ये इल्तजा है तू शालीन वस्त्र धारण कर।

संजय एम तराणेकर

'ज़कात सेंटर इंडिया' का परिवर्तनकारी प्रभाव, आगामी वर्षों में योजना में तेजी की संभावना: सचिव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। ज़कात सेंटर इंडिया एक गैर-लाभकारी संगठन है जो ज़कात और धर्मार्थ संसाधनों के कुशल उपयोग के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित है। इसका मिशन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका और सामुदायिक सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करके देश में मुस्लिम समुदाय के उपेक्षित वर्गों का उत्थान करना तथा अत्यंत गरीब और दूरस्थ परिवारों में दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

अपनी स्थापना से केवल तीन वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डालते हुए ज़कात सेंटर के सचिव अब्दुल जब्बार सिद्दीकी ने 'ज़कात सेंटर इंडिया' की वार्षिक रिपोर्ट 2024 के विमोचन के अवसर पर मीडिया को जारी एक बयान में कहा, ₹अल्लाह की कृपा और हमारे दानकर्ताओं, स्वयंसेवकों और लाभार्थियों के अटूट समर्थन से ज़कात सेंटर ने लगभग 5,000 व्यक्तियों के जीवन को बदल दिया और उन्हें वित्तीय रूप से स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाया है। 2022 में अपनी स्थापना काल से इसने महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना सहित 11 राज्यों के 20 से अधिक शहरों में अपना विस्तार किया है। इस अखिल भारतीय उपस्थिति ने हमें योग्य समुदायों तक पहुंचने और गरीबी चक्र को तोड़ने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाया है। केवल 2024 में सेंटर ने ज़कात फंड में लगभग 6.2 करोड़ रुपये जमा किए जो विगत वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। इनमें से लगभग सौ फीसद धनराशि लाभार्थियों को वितरित कर दी गई। इसका न्यूनतम भाग ही तकनीकी और प्रशासनिक व्ययों के लिए आवंटित किया गया। यह पारदर्शिता, जवाबदेही और संसाधनों के कुशल उपयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

सचिव ने आगे बताया कि ज़कात सेंटर इंडिया की पहल तीन प्रमुख क्षेत्रों - आजीविका सहायता, शिक्षा और सामाजिक कल्याणपर केंद्रित है। विगत तीन वर्षों में ज़कात दानकर्ताओं ने सेंटर की सहायता से 4,923 से अधिक व्यक्तियों को लाभ पहुंचाया है। लाभार्थियों से प्राप्त फीडबैक से पता चलता है कि इन प्रयासों का गहरा प्रभाव रहा है । हमें यह बात संतुस्ट करती है कि वित्तीय सहायता मिलने के तीन महीने बाद लाभार्थियों से उनके जीवन पर सेंटर के समर्थन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए कहा जाता है। औसतन, लाभार्थियों ने निम्नलिखित रेटिंग दीः 94.8% (4.74/5) ने मुस्लिम समुदाय के करीब महसूस करने के लिए, 93.6% (4.68/5) ने विश्वास में वृद्धि के लिए और 92.6% (4.63/5) ने वित्तीय स्थिरता में सुधार के लिए। ये संख्याएं ज़कात की परिवर्तनकारी शक्ति और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपटने में सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित करती हैं।"

उत्पादक योजनाओं पर सेंटर के फोकस पर चर्चा करते हुए जेडसीआई सचिव ने कहा, ₹हम जकात निधियों का उपयोग उपभोक्ता योजनाओं के बजाय उत्पादक योजनाओं में करने पर जोर देते हैं। यह दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि लाभार्थियों को न केवल तत्काल राहत प्रदान की जाए, बल्कि उन्हें दीर्घकालिक वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरण और संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएं। 2024 में सेंटर ने ज़कात निधि को निम्नानुसार वितरित कियाः आजीविका सहायता के लिए 63%, 'मसावत' (राशन, पेंशन और स्वास्थ्य) के लिए 18%, कौशल विकास और शिक्षा के लिए 13% और प्रशासनिक और तकनीकी खर्चों के लिए 6%। यह आवंटन स्थायी प्रभाव पैदा करने तथा व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सेंटर के प्रयास पूरे भारत में लाभार्थियों तक पहुंचे हैं, जिनमें सबसे अधिक संख्या में महाराष्ट्र (1,050 लाभार्थी) में सहायता मिली है, इसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश (418) और बिहार (258) का स्थान है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में हमारी उपस्थिति यह सुनिश्चित करती है कि हम समुदाय की विविध आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

भविष्य के लिए सेंटर के दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए अब्दुल जब्बार सिद्दीकी ने कहा, उन्होंने कहा, ₹अनुमान है कि भारतीय मुसलमानों से जकात के रूप में एक लाख करोड़ रुपये एकत्र किए जा सकते हैं, जबकि वर्तमान में केवल 30 हजार करोड़ रुपये ही एकत्र किए जा रहे हैं। यह अंतर समुदाय के भीतर अधिक जागरूकता और सहभागिता की आवश्यकता को उजागर करता है। सेंटर का लक्ष्य अपने प्रयासों को 240 क्षेत्रों तक विस्तारित करना है जिसमें भारत की 67% मुस्लिम आबादी शामिल होगी। समुदाय के निरंतर समर्थन से, हमें विश्वास है कि हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और गरीबी मुक्त, आत्मनिर्भर समुदाय बना सकते हैं। हम मुस्लिम समुदाय से आग्रह करते हैं कि वे ज़कात के अपने धार्मिक दायित्व को पूरा करें और इस नेक काम में योगदान दें। हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं और जीवन को बदल सकते हैं।अधिक जानकारी या पूछताछ के लिए, इच्छुक व्यक्ति हमारी वेबसाइट zakatcenterindia.org पर जा सकते हैं या contact@zakatcenterindia.org पर ईमेल के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।"

दिल्ली के महाकाल महाशिवरात्रि की कर रहा है तैयारी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। महाशिवरात्रि की तैयारियां जोर-जोर से शुरू होंगे इसको लेकर दिल्ली के महाकाल की ओर से 26 फरवरी को रमेश नगर में एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देशभर के मशहूर गायक इसमें महाकाल के भजन गेएंगे। इसमें विभिन्न राजनीतिक सामाजिक व धार्मिक के साथ-साथ काफी संख्या में लोग शामिल होंगे। इस अवसर पर दिल्ली के महाकाल के आयोजन भूपिंदर कपूर, कमल आहूजा, नीरज आहूजा, सुनील कुमार, आशीष मखीजा, सुरेंद्र सदाना अजय प्रताप ने बताया कि दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वरिंदर सचदेवा, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक हरीश खुराना, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन चेयरमैन के परमजीत सिंह पम्मा अन्य अतिथि उपस्थित होंगे। इस अवसर पर भूपिंदर कपूर ने बताया 14 वर्षों से इसी प्रकार दिल्ली के महाकाल महाशिवरात्रि के उपलक्ष पर कार्यक्रम करता आ रहा है। बड़ी खुशी की बात है कि इसमें सभी धर्म के लोग शामिल होते हैं। भजनों के आनंद के साथ-साथ आशीवांद भी प्राप्त करते हैं। उन्होंने बताया हमारी संस्था की ओर से निमंत्रण देकर परमजीत सिंह पम्मा का स्वागत किया गया। इसी प्रकार अतिथियों का हम निमंत्रण के साथ स्वागत करते हैं। उन्होंने बताया इस अवसर पर भजनों के साथ-साथ विभिन्न झांकियां का भी आयोजन किया गया है।

वर्किंग जर्नलिस्ट क्लब के स्थापना दिवस पर उर्दू घर में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया

सुषमा रानी

नई दिल्ली। वर्किंग जर्नलिस्ट क्लब रजिस्टर्ड के 9वें स्थापना दिवस के अवसर पर आईटीओ स्थित अंजुमन तरक्की उर्दू घर में 'वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता के मुद्दे' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पत्रकारिता एवं जनसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली हस्तियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. सैयद फारूक ने की। भारत सरकार के पूर्व राजदूत मीम अफ़ज़ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत हाफ़िज़ गुफ़रान अफ़रीदी द्वारा पवित्र कुरान के पाठ से हुई। मुख्य अतिथि मीम अफजल ने कहा कि आजादी के बाद उर्दू अखबार सरकारी नियंत्रण में रहे। पत्रकारों को जेलों में डाल दिया गया, एक समय ऐसा भी आया जब सरकार ने उर्दू अखबारों पर ध्यान देना बंद कर दिया। ऐसा नहीं लगा कि इनका जनता पर कोई खास असर है। लेकिन मौजूदा सरकार का पूरा फोकस इसी पर है। आज दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश में गोदिया मीडिया है, 08 प्रतिशत गोदिया मीडिया है, 02 प्रतिशत बाकी हैं। सरकार उनमें से 02 प्रतिशत के खिलाफ कार्रवाई करती है। हमने अच्छा वक्त भी देखा है और आज बुरा वक्त भी देख रहे हैं और अगर अच्छा वक्त नहीं रहा तो बुरा वक्त भी नहीं रहेगा। जो लोग सत्ता की कुर्सी पर बैठे हैं उन्हें एक दिन जाना ही पड़ेगा, लेकिन जिन्होंने तकलीफें झेली हैं उनके लिए हमारे दिल में हमदर्दी का जज्बा होना चाहिए। डॉ. सैयद फारूक ने वर्किंग जर्नलिस्ट क्लब को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए सलाह दी कि वे

आरटीआई एक्ट का अध्ययन करें, वहां से जानकारी लें और सर्टिफिकेट लेकर काम करें, आरटीआई क्लब भी है, वहां भी अपना रजिस्ट्रेशन कराएं। इस अवसर पर पत्रकारों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। पत्रकारिता के लिए सलीम सिद्दीकी पुरस्कार राष्ट्रीय सहारा के ब्यूरो प्रमुख इजहारुल हसन को प्रदान किया गया। पत्रकारिता के लिए आमिर सलीम खान पुरस्कार दैनिक सहाफत के वरिष्ठ पत्रकार नवाब अख्तर को, पत्रकारिता के लिए सैयद जहीर अली भारती पुरस्कार हिंदुस्तान समाचार के वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद ओवैस को और सोशल मीडिया के लिए एम रमेश पुरस्कार डीएन न्यूज यूट्यूब चैनल के युवा रिपोर्टर मुहम्मद गुलजार को दिया गया। इसके साथ ही समाजसेवी नईम मलिक, मेहरबान कुरैशी, सरदार खान और शौकत मुफ्ती को भी समाज के प्रति उनकी निस्वार्थ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

शिया सुन्नी यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष डॉ सरदार खान ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है अगर इसकी आजादी पर हमला या नियंत्रण किया जाएगा तो इससे देश और लोकतंत्र दोनों कमजोर होंगे। आज देश में मीडिया के दो वर्ग बन गए हैं एक वर्ग गोदी मीडिया कहलाता है जबकि दूसरा वर्ग वह है जो तथ्यों और सच्चाई के साथ समाज का सामना करता है। गोदी मीडिया वर्ग न केवल सच्चाई को छुपाता है बल्कि बुराई भी फैलाता है। हमदर्द नेशनल फाउंडेशन के ओएसडी शौकत मुफ्ती ने कहा कि हमारे संगठन की सभी गतिविधियों में हमारे मीडिया के साथियों का पूरा सहयोग रहता है जो हमारे कार्यक्रमों में आते हैं और इसे कवर करके प्रमुखता से स्थान देते हैं। मैं मीडिया प्रतिनिधियों की सेवा और जज्बे की सराहना करता हूं। आज क्लब के स्थापना दिवस पर मैं उनसे वादा करता हूंकि जहां भी उन्हें हमदर्द की जरूरत होगी मैं हमदर्द के साथ खड़ा रहूंगा। वरिष्ठ पत्रकार जावेद रहमानी ने कहा कि आज की विपरीत परिस्थितियों में भी उर्दू अखबार न केवल निकल रहे हैं बल्कि लोगों की समस्याओं को भी दूर कर रहे हैं। इसमें सबसे बड़ी भूमिका हमारे उर्दू पत्रकारों की है जो ग्राउंड जीरो पर रहकर सच्चाई और तथ्य सामने लाते हैं। उर्स कमेटी के अध्यक्ष एफआई इस्माइली ने कहा कि आज मीडिया का एक बड़ा वर्ग नफरत और बुराई फैलाने का काम कर रहा है। एक वर्ग वह है जो सरकार की गलत नीतियों और नफरती मीडिया के एजेंडे का मुकाबला कर रहा है। उर्दू अखबारों और पत्रकारों का यह साहस बहुत हिम्मत और जज्बे का काम है। इस मौके पर एडवोकेट तमीम मलिक, मनोज टंडन, शेख अलीमुद्दीन असदी, शफी देहलवी ने भी अपने विचार रखे। समारोह में पूर्व पार्षद महमूद जिया, जमील अंजुम देहलवी, मुहम्मद तकी, डॉ. मुहम्मद कलीम, जाकिर हुसैन, असद मियां, अफरोजुल हक, अजीमुल्लाह सिद्दीकी, वसीम सिद्दीकी, फसीह शहजाद सिद्दीकी समेत शहर की प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया।

भाजपा सरकार की निष्क्रियता और लोगों की अनदेखी के चलते कांग्रेस दिल्ली के लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को दृढ़ता से उठाएगी: देवेन्द्र यादव

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस एक जिम्मेदार विपक्षी पार्टी है, भाजपा सरकार के 3-4 महीने के कार्यवाही और कार्यकलापों का इंतजार कर रही है कि जो जनादेश दिल्ली के लोगों ने भाजपा को दिया है उस पर काम करती है या नही है। भाजपा की प्राथमिकता दिल्ली की समस्याओं को हल करने की होनी चाहिए। दिल्ली कांग्रेस लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को दृढ़ता से उठाएंगे, क्योंकि कांग्रेस दिल्ली की जनता को अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, राजीव भवन में आज मीडिया से बात करते हुए, देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली में पहले की प्रचलित योजनाओं को फिर से शुरू करने की बात करना कोई आश्चर्य नहीं है क्योंकि मोदी सरकार ने 2014 में भी यही काम किया था जब उसने केंद्र में कांग्रेस सरकार की परियोजनाओं को फिर से योजना बनाकर शुरू करने का काम किया था। इन्हें इस बात की कोई चिंता नही कि यह लोगों की भलाई के लिए है या नही? यादव ने कहा कि हम विधानसभा प्रत्याशियां से हार के कारणों का पता लगाने के लिए, जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा के कांग्रेस के उम्मीदवारों की बैठकें कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव परिणामों से सबक

लेना और उनका अवलोकन करना हमारी प्राथमिकता रहेगी, ताकि आगामी चुनावों के लिए रणनीति तैयार हो सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा की घोषणाओं पर विश्वास नही कि कि वो अत्यधिक प्रदूषित यमुना की सफाई वास्तविकता में करेंगे, यमुना को साफ तभी माना जाएगा जब कोई गहरी डुबकी लगाने पर स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा के क्रियाकलापों पर गहन नजर रखेगी कि वो सभी चुनाव वादों को पूरा कर रही है या खोखले वादे करके लोगों को धोखा दे रही है जैसे 11 साल तक केजरीवाल ने किया था।

यादव ने कहा कि अगर "शीश महल" के अवैध निर्माण की जांच का आदेश दिया जाता है या पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ जांच का आदेश दिया जाता है, तो आम आदमी पार्टी के नेताओं को कानून को अपना काम करने देना चाहिए क्योंकि सच सामने आना चाहिए। अगर आप नेताओं के हाथ साफ है तो उन्हें जांच से डरना नही चाहिए। यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने सबसे पहले शराब नीति में भ्रष्टाचार और मुख्यमंत्री के निवास 6, फ्लैग स्टाफ रोड के निर्माण में सभी नियमों और विनियमों की धज्जियां उड़ाने को जनता के सामने उजागर किया था। अगर आम आदमी पार्टी ने कुछ गलत नही किया है तो सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए, आप नेताओं को जांच पर चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा अब यह दावा कर रही है कि वह केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए दिल्ली विधानसभा में 14 सीएजी (कॉम्पट्रोलर और ऑडिटर जनरल) रिपोर्टों सदन में रखेगी, लेकिन आश्चर्यजनक है कि भाजपा ने इन रिपोर्टों को केजरीवाल द्वारा सार्वजनिक नही करने पर संसद के सदन में क्यों रखने का प्रयास नही किया।

45वें दास धर्म में पहुंचे 101 संतसेवा भाव की कोई सीमा नहीं होती : संत महाराज त्रिलोचन दास

सुषमा रानी

नई दिल्ली। सचखंड धाम के संरक्षक अध्यक्ष संत त्रिलोचन दास महाराज के सानिध्य में तीन दिवसीय दास धर्म समागम का आयोजन हो रहा है समागम के दूसरे दिन भक्तों को सम्बोधित करते हुए महाराज ने कहा कि साधु संत और सनातनी के साथ बैठकर एक आम इंसान की आत्मा भी पवित्र हो जाती है और जितना सत्संग में बैठेंगे उतना ही हमारा जीवन सरल होने लग जाता है, त्रिलोचन दास ने कहा ये हमारा अहोभाग्य है कि 101 धर्म गुरु हमारे इस समागम में पधारे और कुछ तो ऐसे है जो सीधा कुंभ से इस समागम में पहुंचे रहे है। संत त्रिलोचन दास ने लाखों की संख्या में आए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया और कहा कि इस समय सबको एकजुट होकर अपने देश को आगे ले जाना है, उन्होंने आगे कहा कि जहां सत्संग होता है वहीँ परमार्थ होता है और जहाँ परमार्थ होता है वहीँ प्रेम होता है, प्रेम व निस्वार्थ त्याग से बढ़कर न कोई दान न ही कोई धर्म है और यही बात हर धर्म में बताई जाती है, यदि हर इंसान सभी धर्मो का सम्मान करने लगे तो विश्व में शांति बनी रहेगी इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, नागा साधुओं में जिन्होंने सबसे पहले कुंभ में स्नान किया उन्होंने भी आकर श्रद्धालुओं और भक्तों को आशीर्वाद दिया साथ ही पूज्य संत अर्पित महाराज, जगतगुरु आचार्य अरुण चैतन्य पूरी महाराज, बाबा हरजीत सिंह जी रसूलपुर (अयोध्या लंगर वाले), भूपिंदर गिरी महाराज, आध्यात्मिक गुरु स्वामी दीपांकर महाराज, भगवताचार्य संजीव कृष्णा ठाकुर वृंदावन, महंत नारायण गिरी महाराज, जगतगुरु रामानन्दाचार्य स्वामी महाराज धाम अयोध्या, पूज्य संत अर्पित महाराज, जगतगुरु आचार्य अरुण चैतन्य पूरी महाराज, बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर (अयोध्या लंगर वाले), भूपिंदर गिरी महाराज, आध्यात्मिक गुरु स्वामी दीपांकर महाराज, भगवताचार्य संजीव कृष्णा ठाकुर वृंदावन, महंत नारायण गिरी महाराज, जगतगुरु रामानन्दाचार्य स्वामी महाराज धाम अयोध्या, महामंडलेश्वर बाल साध्वी पुष्पांजलि पुरी

वृंदावन धाम, संत बाबा रंजीत सिंह डेरा निरमल संतपुरा, अध्यात्म गुरु महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज धाम वृंदावन, तन्मय वशिष्ठ महामंत्री गंगा सभा हरिद्वार, आचार्य विवेक मुनि महाराज, योग भूषण महाराज, महंत 108 स्वामी ज्ञान देव सिंह जी महाराज ने दास धर्म के बारे में कहा की जैसा नाम है वैसा ही उनका भाव है सभी की सेवा करना इस धर्म की महानता है। संतो ने आये हुए भक्तो को धार्मिक ज्ञान देते हुए कहा कि संतो को भजन गाकर ही जीता जा सकता है प्रवचन से नहीं, साधु संतों से जितनी शिक्षा ले सकते हो ले लो क्योंकि यह भगवान स्वरूप होते है संतों की धूल भी पवित्र होती है, स्वामी दीपांकर महाराज ने संत त्रिलोचन दास की प्रशंसा करते हुए कहा कि लंबे समय बाद भारत में एक ऐसा गुरु आया है जो दास की तरह सेवा करता है। लंदन के रेडियो एंकर रवि शर्मा व सत्यभूषण जैन भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर निशुल्क मेडिकल कैम्प, नेत्र चिकित्सा शिविर, गरीब विद्यार्थियों को पुस्तकें और विधवा महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की जाएगी साथ ही यहाँ 24 घंटे लंगर का भी प्रबंध किया गया है। संस्था के संरक्षक दास हैरी व दास दीपक ने आये हुए संतो को माला व शॉल पहनकर स्वागत किया।

नोएडा हवाई अड्डा की सुरक्षा में सी आई एस एफ के अलावा उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान भी होंगे तैनात, तीन लेयर में होगी सिक्योरिटी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के साथ-साथ उत्तर प्रदेश पुलिस भी अहम भूमिका निभाएगी। पुलिस ने एयरपोर्ट की सुरक्षा का खाका तैयार कर लिया है और सुरक्षा को तीन श्रेणियों - इंटरनेशनल डोमेस्टिक और प्रोटोकॉल में बांटा है। प्रत्येक श्रेणी में एक एडीसीपी इंस्पेक्टर और सिपाहियों को तैनात किया जाएगा। एयरपोर्ट पर तैनात होने वाले सभी जवान 50 वर्ष से कम उम्र के होंगे।

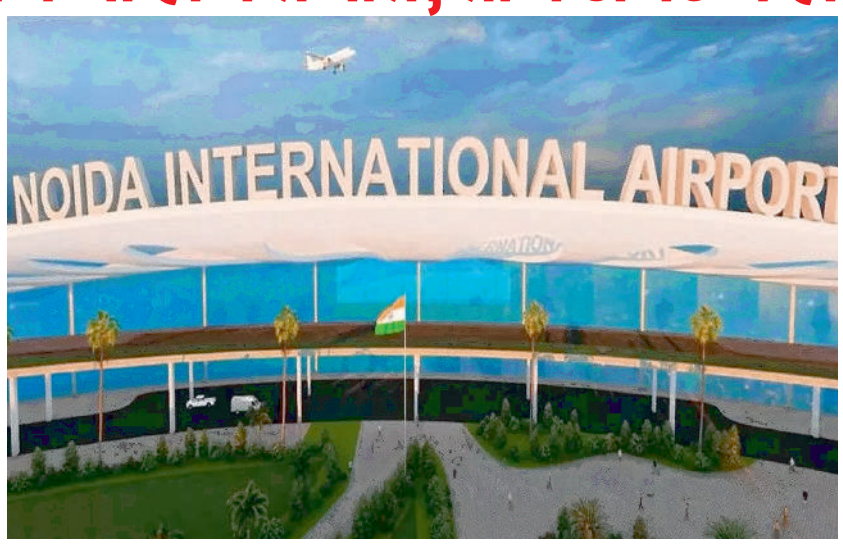

जेवर (नोएडा)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के अलावा उत्तर प्रदेश पुलिस (UP police) भी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा में मुस्तैद रहेगी। पुलिस ने एयरपोर्ट की सुरक्षा का खाका तैयार कर लिया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा को पुलिस ने तीन श्रेणियों इंटरनेशनल, डोमेस्टिक और प्रोटोकॉल में बांटा है।

प्रत्येक श्रेणी में सिपाहियों के अलावा एक एडीसीपी और इंस्पेक्टर को तैनात किया जाएगा।पुलिस के 79 जवान एयरपोर्ट की सुरक्षा में होंगे। एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सभी जवान पचास वर्ष से कम उम्र के होने के साथ अंग्रेजी व विदेशी भाषा के जानकार भी होंगे।

एयरपोर्ट पर तैनाती के लिए पुलिस के 100 से अधिक जवानों को अंग्रेजी के अलावा विदेशी भाषाओं के ज्ञान और यात्रियों से व्यवहार का प्रशिक्षण भी दिया गया है। जेवर में बन रहे देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट की सुरक्षा चाकचौबंद रखने के लिए पिछले दिनों 100 से अधिक पुलिसकर्मी जिनकी उम्र 50 वर्ष से कम है, इसमें इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, मुख्य आरक्षी और आरक्षी के अलावा महिला पुलिसकर्मियों को लखनऊ में प्रशिक्षण दिया गया था।

अप्रैल में एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद कामर्शियल गतिविधियां शुरू होने जा रही हैं। जिसके बाद देश विदेश से आने वाले मेहमानों की सुरक्षा और उन्हें प्रोटोकाल उपलब्ध कराने की बड़ी चुनौती भी होगी। लेकिन प्रदेश पुलिस ने इसके लिए लगातार बैठक कर खाका तैयार किया है।

जिसके तहत एयरपोर्ट के अंदर दो थाने बनाने का भी फैसला किया गया है। हालांकि एयरपोर्ट की मुख्य अंतरिक सुरक्षा के लिए गृह मंत्रालय ने सीआइएसएफ जवानों के 1030 पदों को दिसंबर में ही स्वीकृति दे दी है। सीआइएसएफ के महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी सुरक्षा को लेकर अपनी तैयारियों में सुरक्षाबलों के रहने के लिए भी एयरपोर्ट पर इंतजाम किए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट के अंदर बनेंगे इंटरनेशनल और डोमेस्टिक दो थाने

कई दौर चली सुरक्षा बैठकों के बाद एयरपोर्ट परिसर में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सुरक्षा एवं उनकी परेशानियों के समाधान के लिए इंटरनेशनल थाना बनाने का फैसला किया है। यह थाना केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के अलावा वीवीआईपी की सुरक्षा की जिम्मेदारी के लिए एयरपोर्ट से लेकर उनके गंतव्य तक स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करेगा। देश के वीवीआईपी के अलावा यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी रहेंगी।

तीन लेयर में होगी एयरपोर्ट की सुरक्षा

एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से सीआइएसएफ की होगी, जो एयरपोर्ट के प्रथम घेरे की सुरक्षा को संभालेगी। उसके बाद एयरपोर्ट की स्वयं की निजी सुरक्षा दूसरे घेरे में तैनात रहेगी। अंतिम और तीसरे घेरे में एयरपोर्ट पर तैनात प्रदेश पुलिस की होगी।

एयरपोर्ट पर पुलिस की तैनाती की मुख्य वजह प्रोटोकॉल के अलावा (बीएनएस) भारतीय न्याय संहिता, (बीएनएसएस) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, (बीएसए) भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत कार्रवाई के अधिकार न तो सीआइएसएफ के पास है और न ही एयरपोर्ट की सुरक्षाकर्मियों के पास, इसलिए प्रदेश पुलिस को एयरपोर्ट पर अहम जिम्मेदारी दी गई है।

आगरा में अवैध मस्जिद निर्माण को लेकर अखण्ड भारत सनातन संस्थान की सख्त आपत्ति

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। अखण्ड भारत सनातन संस्थान ने आज एक ज्ञापन जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त को प्रेषित किया, जिसमें उन्होंने थाना हरिपर्वत के तहत चारसू दरवाजा स्थित पुलिस चौकी घटिया आजम खां के क्षेत्र में अवैध मस्जिद निर्माण के खिलाफ सख्त आपत्ति जताई है। संगठन ने मांग की है कि इस मस्जिद का निर्माण तुरंत रोका जाए और संबंधित दोषियों को रा०सु०का० के तहत जेल भेजा जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि इमरान, फरहान, इस्तगो चारसू दरवाजा में पुरानी मस्जिद का अवैध रूप से विस्तार कर नियमविरुद्ध निर्माण करा रहे हैं। किसी भी धार्मिक स्थल, मन्दिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारे, बौधिष्ठ स्थल आदि पर नया निर्माण अथवा जीर्णोद्धार कराने के लिए जिलाधिकारी की अनुमति लेना बेहद आवश्यक है, जो इन निर्माणकर्ताओं के पास किसी भी व्यक्ति के पास परमीशन पत्र उपलब्ध नहीं है। जबकि धार्मिक स्थलों का निर्माण या जीर्णोद्धार जिलाधिकारी की अनुमति से ही किया जा सकता है। इस मामले में अवैध रूप से नियमविरुद्ध मस्जिद विस्तार कर निर्माण कराया जा रहा हैं। इन उक्त व्यक्तियों के पास किसी भी प्रकार का अनुमति पत्र मौजूद नहीं है। जिसके चलते सम्भ्रान्त सनातनीयों में आक्रोश पनप रहा है।

संगठन ने आगे बताया कि मस्जिद से सटी स्ट्रीट लाइट को मुस्लिम समाज खराब कर देते हैं। वर्तमान में लाइट खोलकर अपने कब्जे में कर ली है। परिणामस्वरूप रात के अधंकार में मुस्लिम समाज के बाहरी अवांछनीय तत्वों के साथ मिलकर सनातनी महिलाओं से आवाजकशी छेड़खानी करते हैं, लोग इनके भय से पुलिस में शिकायत नहीं करते। इस पर सनातनी समाज में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। सर्वविदित है कि श्रीमानजी सनातनी समाज सदैव शान्तिप्रिय रहा है। संगठन कानून उल्लंघन में विश्वास नहीं करता। इसलिए सनातन समाज ज्ञापन के माध्यम से शान्तिपूर्वक समस्या का निराकरण चाहता है। इसका अर्थ प्रशासन कदापि यह न लगाये कि सनातनी समाज कायर है, बल्कि हम शान्तिपूर्वक समस्या का समाधान चाहते हैं।

सनातनी समाज की अखण्ड भारत सनातन संस्थान द्वारा प्रशासन से दो प्रमुख मांगें की हैं:

1. मस्जिद के विस्तार पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाए।
2. मस्जिद वाली गली में जनहित में स्ट्रीट लाइट तुरंत लगवाए जाएं।

संगठन ने प्रशासन से उम्मीद जताई है कि वे शान्तिपूर्वक समाधान के लिए कदम उठाएंगे, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने से पहले यूपी पुलिस ने यीडा को भेजा पत्र, कर दी ये मांग

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और डोमेस्टिक एयरपोर्ट के आसपास के सभी लिंक मार्गों को चौड़ा किया जाएगा। यह निर्णय पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर लिया गया है। एयरपोर्ट के संचालन के बाद दिल्ली एनसीआर के अलावा आसपास के जिलों से आने वाले वाहनों के बढ़ने वाले दबाव को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है।

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट व डोमेस्टिक एयरपोर्ट के आसपास के सभी लिंक मार्गों के चौड़ीकरण कराये जाने के लिए यमुना प्राधिकरण (yeida news) के सीईओ को पत्र भेजा गया है। मार्गों के चौड़ीकरण के पीछे एयरपोर्ट के संचालन के बाद दिल्ली एनसीआर के अलावा आसपास के जिलों से आने वाले वाहनों के बढ़ने वाले दबाव को बताया जा रहा है।

पुलिस (Noida Police) का मानना है कि वाहनों के सुगम परिचालन के लिए एयरपोर्ट से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा से आने वाले मार्गों को चौड़ा करना जरूरी है। एयरपोर्ट से वर्तमान में यमुना एक्सप्रेस वे और दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे का लिंक एक्सप्रेस वे को छोड़कर कोई ऐसा मार्ग नहीं हैं, जहां से यातायात का आसानी से आवागमन हो सके।

एयरपोर्ट पर आने वाले ट्रैफिक को संभाल पाना नामुमकिन-पुलिस

पुलिस (UP Police) ने एयरपोर्ट पर आसपास के मुख्य शहरों से आने वाले वाहनों को किसी तरह की परेशानी न हो, उनको जाम जैसे हालातों का सामना न करने पड़े इसके लिए पहले से तैयारी की जानी बहुत जरूरी है। वर्तमान में बुलंदशहर, अलीगढ़ व मथुरा से आने वाले लिंक मार्ग बेहद कम चौड़ाई के है।

इन मार्गों से एयरपोर्ट पर आने वाले ट्रैफिक को संभाल पाना नामुमकिन है। अलीगढ़ जेवर, खुर्जा जेवर, बुलंदशहर से जेवर के अलावा पलवल से जेवर को जोड़ने वाले सभी मार्ग डबल लेन तक नहीं है। ऐसे में इन मार्गों से एयरपोर्ट पर आने वाले ट्रैफिक को किसी भी हालत में संभव नहीं हो पाएगा।

सालाना यात्री क्षमता 22-5 करोड़ होने की उम्मीद

पुलिस ने पत्र में लिखा कि जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट व डोमेस्टिक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। जिसका परिचालन अप्रैल में प्रस्तावित है। एयरपोर्ट का विकास दो चरण में होगा। प्रथम चरण में यह एयरपोर्ट 02 रनवे का होगा, जो दूसरे चरण में बढ़ कर 05 रनवे का हो जाएगा।

कुल क्षमता लगभग सात करोड़ एवं द्वितीय पूरा होने स्टेज में कुल क्षमता लगभग 22.5 करोड़ सालाना यात्री प्रतिवर्ष हो जाएगी। संचालन शुरू हो जाने पर बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोगों का आवागमन बना रहेगा। वर्तमान में भी विभिन्न प्रकार के कामर्शियल व घरेलू वाहनों का दबाव बढ़ रहा है। कार्गो टर्मिनल होने के कारण, यहां हजारों माल वाहक वाहनों का आवगमन होगा।

भाजपा ने नए चेहरों पर जताया भरोसा, कई दिग्गजों के काटे टिकट

गुड़गांव निकाय चुनाव इस बार नगर निगम चुनाव में भाजपा ने नए चेहरों पर भरोसा जताया है। भाजपा के पुराने पूर्व पार्षदों की बात करें तो सिर्फ पांच को ही टिकट मिला है। यानी कुल 36 वार्डों में से 31 वार्डों में नए प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। पुराने पार्षदों में वार्ड 9 से ब्रह्म यादव वार्ड 11 से कुलदीप यादव वार्ड 24 से आरती यादव को भाजपा का टिकट मिला है।

गुरुग्राम। लंबे इंतजार और कयासों पर विराम लगाते हुए भाजपा ने शनिवार सुबह गुरुग्राम नगर निगम चुनाव (Gurgaon Nikay Chunav) के लिए वार्ड पार्षद प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगा दी। मेयर पद के प्रत्याशी की घोषणा शुक्रवार रात को ही कर दी गई थी।

भाजपा ने नए चेहरों पर जताया भरोसा

खास बात यह है कि इस बार नगर निगम चुनाव में भाजपा ने नए चेहरों पर भरोसा जताया है। भाजपा के पुराने पूर्व पार्षदों की बात करें तो सिर्फ पांच को ही टिकट मिला है। यानी कुल 36 वार्डों में से 31 वार्डों में नए प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

पुराने पार्षदों में वार्ड 9 से ब्रह्म यादव, वार्ड 11 से कुलदीप यादव, वार्ड 24 से आरती यादव, वार्ड 25 से अनूप सिंह और वार्ड 28 से धर्मबीर को भाजपा का टिकट मिला है।

वहीं, कई पुराने चेहरे ऐसे हैं जो 2017 का चुनाव निर्दलीय लड़े थे और इस बार भाजपा ने उन्हें टिकट दिया है। वार्ड 30 से मधु बत्रा (पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर यशपाल बत्रा की पत्नी) ने 2017 का निगम चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीता था।

वार्ड 31 से दिलीप कुमार साहनी को टिकट मिला है। 2017 के चुनाव में उनकी पत्नी रजनी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था और भाजपा की गीता रानी को 2984 वोटों से हराया था। वार्ड 33 से शीतल बागड़ी और वार्ड 36 से पूर्व पार्षद दिनेश सैनी की पत्नी रेखा सैनी को भाजपा ने टिकट दिया है।

दिनेश सैनी ने 2017 का निगम चुनाव पुराने वार्ड आठ से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ा था और 98 वोटों से जीत हासिल की थी। शीतल बागड़ी ने भी निर्दलीय चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

2017 में जीता चुनाव, इस बार कटी टिकट

2017 के नगर निगम गुरुग्राम चुनाव में भाजपा के टिकट पर 14 प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार कई के टिकट काट दिए गए हैं। पुराने वार्ड दो से शंकुतला यादव ने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और 2010 वोटों से जीत दर्ज की थी। लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

इसी तरह पुराने वार्ड तीन से रविंद्र यादव भाजपा के टिकट पर 1249 वोटों से जीतकर निगम सदन पहुंचे थे, लेकिन इस बार वह टिकट की दौड़ में पिछड़ गए। पूर्व मेयर विमल यादव की पत्नी रिंपल यादव को पुराने वार्ड पांच से टिकट मिला था और वह 906 वोटों से जीती थीं।

इस बार उन्हें भाजपा का टिकट नहीं मिला। पुराने वार्ड 23 से अश्विनी शर्मा और वार्ड 33 से सुनीता भाजपा के टिकट पर विजयी रहे थे, लेकिन इस बार उन्हें टिकट नहीं मिल सका।

2017 में भाजपा ने 14 सीटों पर किया था कब्जा

2017 के नगर निगम चुनाव में भाजपा ने कुल 35 सीटों में से 14 सीटें जीती थीं। कांग्रेस ने अपने सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ा था, इसलिए निर्दलीय उम्मीदवार ज़्यादा जीते थे। उनमें से कई बाद में भाजपा में शामिल हो गए। जिसके बाद निगम सदन में भाजपा के कुल 27 सदस्य हो गए।

ये हैं भाजपा वार्ड पार्षद प्रत्याशी

वार्ड एक से सुंदर सिंह, वार्ड दो से ज्योत्सना, वार्ड तीन से पवन यादव, वार्ड चार से संदीप यादव, वार्ड पांच से राकेश राणा, वार्ड छह से एकता त्यागी, वार्ड सात से मुकेश कौशिक, वार्ड आठ से नरेश कटारिया, वार्ड नौ से ब्रह्मा यादव, वार्ड दस से अजीत यादव को टिकट मिला है।

वहीं, वार्ड 11 से कुलदीप यादव, वार्ड 12 से सीमा, वार्ड 13 से पवन सैनी, वार्ड 14 से प्रथम वशिष्ठ, वार्ड 15 से भारती हरसाना, वार्ड 16 से विक्रम जीत, वार्ड 17 से आंचल भाटी, वार्ड 18 से प्रिया, वार्ड 19 से अमित राज सिंह भड़ाना, वार्ड 20 से नारायण भड़ाना, वार्ड 21 से सोनिया यादव, वार्ड 22 से विकास यादव, वार्ड 23 से कुलदीप यादव, वार्ड 24 से आरती यादव, वार्ड 25 से अनूप पर बीजेपी ने भरोसा जताया है।

वार्ड 26 से सुनीता रानी, वार्ड 27 से चंचल कौशिक, वार्ड 28 से धर्मवीर, वार्ड 29 से उषा, वार्ड 29 से मधु बत्रा 30 से दिलीप कुमार साहनी, वार्ड 31 से विजय परमार, वार्ड 33 से शीतल बागड़ी, सुरेखा चौहान, वार्ड 35 से वरुण कौशिक और वार्ड 36 से रेखा सैनी को भाजपा का टिकट मिला है।

आतंकवाद व वैश्विक युद्धों पर मोदी ट्रंप की पार्टनरशिप-दुनियाँ को नई लीडरशिप

आतंक के पनाहगार पर भारत अमेरिका की संयुक्त बयान स्ट्राइक से तिलमिलाए व डरे पड़ोसी मुल्क भारत अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ़ मजबूती से एक और एक ग्यारह बनकर लड़ने की घोषणा से पड़ोसी विस्तारवादी देशों में खलबली

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के लिए विरोध का स्वर निकालने वाले देशों में मोदी की वाशिंगटन यात्रा व ट्रंप के साथ शानदार केमिस्ट्री, दोस्ती व अनेक समझौते एफ 35 विमान की पेशकश व आतंकवाद पर संयुक्त बयान से खासकर पड़ोसी व विस्तारवादी देश तिलमिला से गए हैं व ताबडतोप पाक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने तिलमिलाकर कहा कि पाक के बलिदान को स्वीकार किए बिना इस तरह की टिप्पणियों से हैरान है, तो वहीं ट्रंप ने 26/11 मुंबई हमले के तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यापित करने की घोषणा कर दी। बता दें, वैसे तो भारत सहित समूचा विश्व आतंकवाद नामक मानवजनित त्रासदी से पीड़ित हैं, तथापि भारत बहुत लम्बे समय से आतंकवाद का शिकार होता रहा है। भारतीय राज्यों में प्रमुखता से जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब व उत्तर प्रदेश आसाम शहर अनेक राज्य आतंकवाद से त्रस्त रहा है।आतंकवाद भारतीय उपमहाद्वीप का सर्वप्रमुख विकास अवरूद्ध करने वाला समस्या सिद्ध हुआ है जो समय समय पर आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था व प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाते रहा है, और जान माल की अत्यधिक क्षति आतंकवादी घटनाओं से ही अब तक हुआ है, चाहे वह मुम्बई बम ब्लास्ट की घटना हो या बनारस संकट मोचन, रेलवे स्टेशन की आतंकी घटना या फिर दिल्ली की घटना हो या जम्मू कश्मीर पुलवामा अटैक संसद पर हमला या फिर 26/11 का हमला सभी में असंख्य जाने गई है। जो क्षेत्र आज आतंकवादी गतिविधियों से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं उनमें जम्मू- कश्मीर, मुंबई, मध्य भारत (नक्सलवाद) और आठ बहन राज्य (उत्तर पूर्व के आठ राज्य) (स्वतंत्रता और स्वायत्तता के मामले में) शामिल हैं। अतीत में पंजाब में पनपे उग्रवाद में आंतकवादी गतिविधियां शामिल हो गयीं जो भारत देश के पंजाब राज्य और देश की राजधानी दिल्ली तक फैली हुई थीं, जो अब धीरे-धीरे पकड़ में आ रही है व समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। चूँकि भारत अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ़ मजबूती से एक और एक ग्यारह बनकर लड़ने की घोषणा व वैश्विक युद्धों पर मोदी ट्रंप की पार्टनरशिप, दुनियाँ को नई लीडरशिप !

साथियों बात अगरहम वॉशिंगटन डीसी में मोदी ट्रंप के जॉइंट स्टेटमेंट की करें तो, उसमें कहा गया है कि वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ निश्चित ही लड़ाई लड़ी जानी चाहिए और आतंकवादियों को पनाह देने वाले ठिकानों को पूरी दुनियाँ से खत्म किया जाना चाहिए, इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने ग्लोबल टेरेरिज्म के खिलाफ लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और पाकिस्तान से 26/11 मुंबई और पठानकोट हमलों के अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया।ज्वाइंट स्टेटमेंट में नाम लेकर पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा है कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए ना करे द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच ग्लोबल साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया, जो आपसी विश्वास, साझा हितों, सद्भावना और नागरिकों की मजबूत भागीदारी पर आधारित होगा। इसके अलावा ज्वाइंट स्टेटमेंटमें अलकायदा, आईएसआई जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों की तरफ से आने वाले खतरों के खिलाफ सामूहिक तौर पर लड़ने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। इसके अलावा दोनों नेताओं ने डिफेंस, ट्रेड, एनर्जी सिक्योरिटी, टेक्नोलॉजी और लोगों के बीच सहयोग के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला है। ज्वाइंट स्टेटमेंट में नेताओं ने इस बात पर फिर से जोर दिया है, कि आतंकवाद एक वैश्विक संकट है, जिससे सामूहिक तौर पर लड़ा जाना चाहिए और दुनिया के हर कोने से आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने 26/11 को मुंबई में हुए हमलों और 26 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान में एबी गेट बम विस्फोट जैसे जघन्य कृत्यों को रोकने के लिए अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे समूहों से आतंकवादी खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा अमेरिका ने घोषणा की कि तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। दोनों नेताओं की इस बहुप्रतीक्षित मुलाकात में मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में एक तहव्वुर राणा को भारत लाने, खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर रोक लगाने, गैर-कानूनी तौर पर भारतीयों की अमेरिका में घुसपैठ कराने वाले लोगों के खिलाफ साझानिर्णायक कार्रवाई करने, रक्षा क्षेत्र में अगले दस वर्षों के लिए सहयोग का रोडमैप बनाने, भारत को अत्याधुनिक एफ-35 युद्धक विमान बेचने, अमेरिका से ज्यादा तेल व गैस की खरीद करने, मिल कर परमाणु ऊर्जा के छोटे व बड़े रिएक्टरों का निर्माण करने को लेकर सहमति बनी है।

साथियों बात अगर हम मोदी ट्रंप द्वारा जॉइंट स्टेटमेंट में आतंकवाद पर एक और एक ग्यारह होकर लड़ने की करें तो ट्रंप ने इस्लामिक आतंकवाद के मुद्दे पर भारत को एक अहम साझेदार बताया। संयुक्त बयान में अल-कायद व आइसिस के साथ भारत के लिए खास तौर पर खतरा बने पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठनों जैश-ए- मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा के खतरों को लेकर सहयोग की प्रतिबद्धता जताई गई है और पाकिस्तान से कहा गया है कि वह मुंबई आतंकी हमले, पठानकोट हमले के दोषियों के खिलाफ शीघ्रता से कार्रवाई करे और यह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवाद के लिए ना हो।आतंकवाद के संदर्भ में भारत ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से मिली मंजूरी पर गहरा संतोष जताया है। भारत पिछले कई वर्षों से इस बारे में अमेरिका से बात कर रहा था। डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना चेतावनी भरा एक संकेत दिया है. डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि, इस साल की शुरुआत से ही अमेरिका ने भारत के साथ अरबों डॉलर की सैन्य खरीद बढ़ा दी है।ट्रंप ने आगे कहा कि, अमेरिका और भारत विश्व के लिए खतरा बन रहे कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद का सामना करने के लिए पहले की तरह मिलकर काम करते रहेंगे।मोदी और ट्रंप की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने चीन को लेकर भी सवाल पूछे, ट्रंप ने चीन के साथ संबंधों को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए चीन हमारे लिए महत्वपूर्ण देश है।ट्रंप ने कहा कि, उन्हें लगता है कि चीन के साथ रिश्ते बेहतर हो जाएंगे, उन्होंने आगे कहा कि, कोरोना के आने से पहले तक भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। रूस और यूक्रेन का युद्ध शांत कराने में चीन काफी मददगार हो सकता है।वहीं डोनाल्ड से जब पूछा गया कि, अगर आप भारत के साथ कारोबार को लेकर इस तरह की सख्ती दिखाते रहेंगे? तो चीन को कैसे मात दे पाएंगे? इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम किसी को भी मात दे सकते हैं लेकिन हमारा इरादा किसी को मात देने का नहीं है. हम सही दिशा में काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम पाकिस्तान द्वारा भारत अमेरिका के ज्वाइंट एक्शन के रिएक्शन की करें तो, आतंकवाद पर मोदी और ट्रंप की फटकार के बाद पाकिस्तान फड़फड़ाने लगा है। पाक विदेश मंत्रालय ने भारत और अमेरिका के ज्वॉइंट स्टेटमेंट को एक तरफा, भ्रामक और राजनयिक मानदंडों के विपरीत बताया है। पाक ने हैरानी जताते हुए कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ उसके प्रयासों और बलिदानों को नजरअंदाज किया गया है। आंतकवाद के खिलाफ अमेरिका के साथ मिलकर किए गए पाकिस्तान के प्रयासों को नजरअंदाज कर दिया।पाक विदेश मंत्रालय के शुक्रवार (14 फरवरी, 2025) को प्रेस ब्रीफिंग में भारत और अमेरिका के ज्वॉइंट स्टेटमेंट पर बयान जारी किया है।उन्होंने उलटा भारत पर आंतकवाद को स्पोंसर करने के आरोप लगाए और कहा कि इस तरह के बयानों से कुछ होने वाला नहीं है, भारत के आतंकवाद को समर्थन को छिपाया नहीं जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कश्मीर में तनाव और अस्थिरता को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का भारत की ओर से अनुपालन नहीं किए जाने की समस्या को बयान में संबोधित नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई और प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक युद्धों यूक्रेन-रूस व इजरायल- हमास पर संयुक्त बयान की करें तो दोनों देशों के बीच युद्ध विवाद सुलझाने पर पीएम मोदी ने ट्रंप के प्रयासों का स्वागत किया।उन्होंने एक बार फिर कहा कि विवाद का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि मेज पर किया जाना चाहिए.पीएम मोदी ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मैं हमेशा से रूस और यूक्रेन के संपर्क में हूं. दोनों देशों के नेताओ से बातचीत करता रहता हूं। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि कई देशों को लगता है कि भारत तटस्थ है, लेकिन मैं यहां साफ तौर पर कह देता हूं कि भारत ने कभी भी तटस्थता की नीति नहीं अपनाई है,हम हमेशा से शांति के पक्ष मे रहे हैं।यह समय युद्ध का नहीं है, उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि किसी भी विवाद का समाधान मैदान से नहीं निकलता, आखिरी में मैं यहीं कहूंगा कि इस फैसला मेज पर ही आकर करना होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप का प्रयास कभी भी विफल नहीं होगा।मैं विश्वास जताता हूं कि वह अपने प्रयास में जरूर सफल होंगे, मुझे बहुत खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति बहाल करने की पहल की है और राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की से टेलीफोन पर बात की है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आतंकवाद व वैश्विक युद्धों पर मोदी ट्रंप की पार्टनरशिप- दुनियाँ को नई लीडरशिप।आतंक के पनाहगार पर भारत अमेरिका की संयुक्त बयान स्ट्राइक से तिलमिलाए व डरे पड़ोसी मुल्क भारत अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ़ मजबूती से एक और एक ग्यारह बनकर लड़ने की घोषणा से पड़ोसी विस्तारवादी देशों में खलबली मची।

टाटा कर्व पर पहली बार मिल रहा हजारों रुपये का डिस्काउंट आईसीई के साथ ई.वी वर्जन पर कितनी होगी बचत, पढ़ें खबर

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा कर्व डिस्काउंट ऑफर 2025 भारत की प्रमुख वाहन निर्माता Tata Motors की ओर से कई सेगमेंट और तकनीक के साथ वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से साल 2024 में लॉन्च की गई Tata Curvv पर पहली बार Discount Offers दिए जा रहे हैं। एसयूवी के ICE और EV वर्जन पर February 2025 में कितनी बचत की जा सकती है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एसयूवी सेगमेंट के वाहनों को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। देश की प्रमुख निर्माता Tata Motors की ओर से भी कई सेगमेंट में एसयूवी की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से साल 2024 में लॉन्च की गई Tata Curvv पर February 2025 में पहली बार Discount Offer दिए जा रहे हैं। इस गाड़ी के ICE और EV वर्जन पर इस महीने किस तरह के ऑफर्स दिए जा रहे हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Tata Curvv पर पहली बार मिल रहा Discount

टाटा की ओर से कूप एसयूवी के तौर पर कर्व को 2024 में लॉन्च किया गया था। लेकिन अभी तक इस एसयूवी पर किसी भी महीने में डिस्काउंट नहीं दिया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब कंपनी की ओर से पहली बार इस गाड़ी पर Discount Offer दिया जा रहा है।

कितना मिलेगा डिस्काउंट

जानकारी के मुताबिक Tata Curvv Coupe SUV पर February 2025 में अधिकतम 50 हजार रुपये तक के ऑफर्स दिए जा रहे हैं। ICE के साथ ही एसयूवी के EV वर्जन पर भी यह डिस्काउंट दिया जा रहा है। अलग अलग वेरिएंट पर अलग अलग ऑफर्स दिए जा रहे हैं।

किस वेरिएंट पर क्या ऑफर

टाटा की ओर से कर्व के ICE वर्जन पर सबसे ज्यादा डिस्काउंट दिया जा रहा है। इस गाड़ी के 2024 की यूनिट्स पर इस महीने में 50 हजार रुपये तक बचाए जा सकते हैं। इसके अलावा अगर 2025 की यूनिट्स को खरीदते हैं तो इस महीने में 20 हजार रुपये तक बचाए जा सकते हैं। एसयूवी के इलेक्ट्रिक वर्जन पर भी इस महीने 20 हजार रुपये तक की बचत की जा सकती है। यह ऑफर इसके 2025 में बनी यूनिट्स पर दिया जा रहा है।

क्या है शामिल

टाटा की कर्व पर इस महीने में जो डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। उसमें स्क्रैपेज बोनस, एक्सचेंज बोनस और कन्ज्यूमर डिस्काउंट शामिल हैं।

कितनी है कीमत

Tata Curvv एसयूवी की एक्स शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये से शुरू होती है। इसके टॉप वेरिएंट को 19.19 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जा रहा है। यह कीमत इसके ICE वर्जन की है। एसयूवी के EV वर्जन के बेस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 17.49 लाख रुपये है। इलेक्ट्रिक में एसयूवी के टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत को 21.99 लाख रुपये रखा गया है।

महिंद्रा बीई6 और एक्सईवी9ई ने बनाया रिकॉर्ड, पहले ही दिन हुईं 30 हजार से ज्यादा बुकिंग, कंपनी को मिले 8472 करोड़ रुपये

महिंद्रा ईवी बुकिंग 2025 महिंद्रा की ओर से कुछ समय पहले दो नई जेनरेशन Electric SUVs के तौर पर Mahindra BE6 और XEV9e को लॉन्च किया गया था। दोनों ही एसयूवी के लिए 14 February 2025 से बुकिंग शुरू की गई थी। पहले ही दिन दोनों एसयूवी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी को इनके लिए कितनी बुकिंग मिली हैं। एडवांस बुकिंग से कितने रुपये मिले हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Mahindra की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से कुछ समय पहले लॉन्च की गई नई जेनरेशन Electric SUVs Mahindra BE6 और Mahindra XEV9e के लिए बंपर बुकिंग्स (Mahindra EV Booking 2025) मिली हैं। कंपनी की ओर से दोनों एसयूवी की बुकिंग को लेकर क्या जानकारी दी गई है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Mahindra BE6 और XEV9e को मिली बंपर बुकिंग

महिंद्रा की ओर से 14 फरवरी 2025 से ही दो नई Electic SUVs के तौर पर लाई गई Mahindra BE6 और Mahindra XEV9e के लिए बुकिंग को शुरू किया गया था। कंपनी ने जानकारी दी है कि पहले ही दिन दोनों एसयूवी के लिए हजारों बुकिंग्स मिली हैं।

कितनी मिली बुकिंग

कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक दोनों ही एसयूवी के लिए पहले ही दिन में 30179 यूनिट्स की बुकिंग्स मिली हैं। इन सभी बुकिंग्स को ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड्स के जरिए किया गया है। जिससे कंपनी को एडवांस बुकिंग के तौर पर 8472 करोड़ रुपये हासिल (EV First Day Earning 2025) हुए हैं।

किस गाड़ी के लिए कितनी बुकिंग

महिंद्रा की ओर से यह जानकारी भी दी गई है कि किस गाड़ी के लिए कितनी यूनिट्स बुक की गई हैं। कंपनी के मुताबिक सबसे ज्यादा बुकिंग Mahindra XEV9e के लिए की गई हैं। जानकारी दी गई है कि इस एसयूवी के लिए कुल बुकिंग्स में 56 फीसदी हिस्सा है। वहीं Mahindra BE6 के लिए 44 फीसदी बुकिंग्स मिली हैं। इन दोनों ही एसयूवी के टॉप वेरिएंट Pack Three के लिए सबसे ज्यादा बुकिंग मिली हैं।

कब से किस वेरिएंट की शुरू होगी डिलीवरी

महिंद्रा अपनी दोनों ही एसयूवी के लिए बुकिंग को शुरू कर चुकी है। लेकिन इनकी डिलीवरी को March 2025 के मध्य से शुरू किया जाएगा। सबसे पहले टॉप वेरिएंट के तौर पर ऑफर किए गए Pack Three की डिलीवरी शुरू होगी। इसके बाद June 2025 से Pack Three Select की डिलीवरी को शुरू किया जाएगा। इसके बाद July 2025 में Pack Two, August 2025 में Pack One Above और बेस वेरिएंट Pack One की डिलीवरी को शुरू किया जाएगा।

कितनी है कीमत

Mahindra की ओर से BE6 को पांच वेरिएंट्स में लाया गया है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 18.90 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट को 26.90 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लाया जा रहा है।

वहीं Mahindra XEV 9e की एक्स शोरूम कीमत 21.90 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट को 30.50 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर ऑफर किया जा रहा है। इसे चार वेरिएंट्स में ऑफर किया जा रहा है।

किनसे है मुकाबला

महिंद्रा की BE6 और XEV 9e को इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में लाया गया है। इस सेगमेंट में इनका मुकाबला Tata Curvv EV, MG Windsor EV, Hyundai Creta EV, MG ZS EV, BYD Atto3 के साथ ही जल्द लॉन्च होने वाली Maruti E Vitara, Tata Harrier EV जैसी एसयूवी के साथ होगा।

मारुति डिजायर के बाद अब स्विफ्ट को खरीदना हुआ महंगा, Z सीरीज इंजन, ड्यूल टोन एक्सटीरियर, 6 एयरबैग के साथ आती है गाड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

मारुति स्विफ्ट की कीमत में बढ़ोतरी भारत की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर Dzire के बाद हैचबैक सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Maruti Swift को खरीदना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने इस गाड़ी की कीमत में कितनी बढ़ोतरी की है। किस वेरिएंट की कीमत को कितना बढ़ाया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी की बिक्री करने वाली प्रमुख वाहन निर्माता Maruti Suzuki की ओर से Hatchback सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली नई जेनरेशन Maruti Swift की कीमतों को बढ़ा दिया गया है। नई जेनरेशन Dzire के बाद अब Swift की कीमत में कितनी बढ़ोतरी हुई है। किस वेरिएंट की कीमत को कितना बढ़ाया गया है। अब इसे किस कीमत पर खरीदा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

महंगी हुआ Maruti Swift को खरीदना

मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली नई जेनरेशन Swift को खरीदना महंगा हो गया है। कंपनी ने इसकी कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। यह बढ़ोतरी फरवरी 2025 में की गई है और इसे आधिकारिक वेबसाइट पर भी अपडेट किया गया है।

पहले ही दी गई थी जानकारी

मारुति सुजुकी ओर से साल 2024 के आखिर में ही कीमतों को बढ़ाने की जानकारी दे दी गई थी। कंपनी ने बताया था कि वह नए साल में अपने पोर्टफोलियो की कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करेगी। लेकिन यह बढ़ोतरी अलग अलग गाड़ी पर अलग अलग होगी। जिसके बाद अब फरवरी में कीमतों को बढ़ाया गया है।

कितनी बढ़ी कीमत

जानकारी के मुताबिक मारुति की ओर से अपनी स्विफ्ट की कीमत में पांच हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी की ओर से अलग अलग वेरिएंट की कीमतों को एक समान बढ़ाने की जगह अलग अलग बढ़ाया है। इसके अलावा कुछ वेरिएंट्स की कीमत में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

किन वेरिएंट्स की कीमतों में हुई बढ़ोतरी

मारुति की ओर से VXI, VXI (O) AMT, ZXI AMT, ZXI+ AMT, ZXI+ ड्यूल टोन AMT वेरिएंट्स की कीमत में पांच हजार रुपये बढ़ाए गए हैं। अन्य सभी वेरिएंट्स की कीमतों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी नहीं की गई है।

किस कीमत पर मिलेगी गाड़ी

इसके बेस वेरिएंट के तौर पर ऑफर किए जाने वाले LXI की एक्स शोरूम कीमत 6.49 लाख रुपये (Maruti Swift new price) ही है। इसके अलावा VXI की कीमत 7.29 लाख रुपये, VXI (O) 7.56 लाख रुपये, VXI AGS 7.79 लाख रुपये, VXI (O) AGS 8.06 लाख रुपये, VXI CNG 8.19 लाख रुपये, ZXI 8.29 लाख रुपये, ZXI (O) CNG 8.46 लाख रुपये, ZXI AGS 8.79 लाख रुपये, ZXI+ 8.99 लाख रुपये, ZXI CNG 9.19 लाख रुपये, ZXI + AGS 9.49 लाख रुपये एक्स शोरूम है।

कावासाकी ने लॉन्च की नई बाइक, दमदार इंजन के साथ मिलते हैं बेहतरीन फीचर्स, जानें कीमत और खासियत

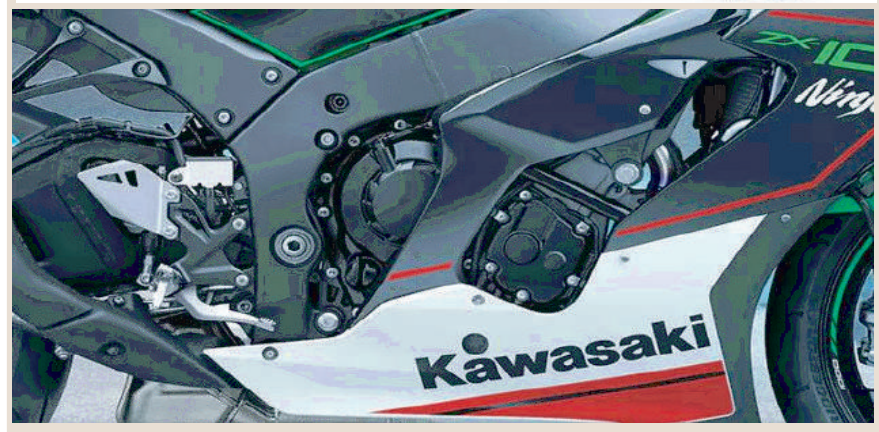

परिवहन विशेष न्यूज

2025 कावासाकी वर्सेस 1100 लॉन्च जापानी दो पहिया निर्माता कावासाकी की ओर से भारतीय बाजार में कई सेगमेंट में बाइक्स की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से हाल में ही नई बाइक को लॉन्च किया गया है। इस बाइक को किस सेगमेंट में लाया गया है। किस तरह के फीचर्स दिए गए हैं। कितना दमदार इंजन बाइक में मिलेगा। इसकी क्या कीमत है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापान की दो पहिया निर्माता Kawasaki की ओर से भारत में कई बेहतरीन फीचर्स और दमदार इंजन वाली बाइक्स को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से February 2025 में नई बाइक को लॉन्च किया गया है। इसे किस कीमत पर किस तरह के फीचर्स और इंजन के साथ लाया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

लॉन्च हुई Kawasaki Versys 1100 बाइक

Kawasaki की ओर से भारत में 1100 सीसी सेगमेंट में नई बाइक के तौर पर 2025 Kawasaki Versys 1100 को लॉन्च कर दिया है। कंपनी की इस बाइक में दमदार इंजन दिया गया है। साथ ही कई बेहतरीन फीचर्स को भी ऑफर किया गया है।

कैसे हैं फीचर्स

2025 Kawasaki Versys 1100 बाइक में कंपनी की ओर से एलईडी लाइट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्पोर्टी डिजाइन, बेहतरीन विंड प्रोटेक्शन, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, 21 लीटर पेट्रोल टैंक, स्प्लिट सीट्स, अपराइट राइडिंग पोजिशन, 17 इंच अलॉय व्हील्स, टाइप सी चार्जिंग पोर्ट, क्रूज कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल, केसीएमएफ, आईएमयू, असिस्ट और स्लिपर क्लच, एबीएस जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

कितना दमदार इंजन

कंपनी की ओर से Versys 1100 बाइक में 1100 सीसी की क्षमता का लिक्विड कूल्ड, फोर स्ट्रोक, इन-लाइन फोर, 16 वॉल्व इंजन दिया गया है। जिससे इसे 99 किलोवाट की पावर और 112 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसमें 6स्पीड रिटर्न शिफ्ट ट्रांसमिशन को दिया गया है। बाइक में सेमी फ्लोटिंग ड्यूल डिस्क दिए गए हैं। इसके अलावा इसमें 150 एमएम की ग्राउंड क्लियरेंस दी गई है।

कितनी है कीमत

कावासाकी की ओर से 2025 Versys 1100 बाइक को 12.90 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लाया गया है। इस बाइक ने कंपनी की पुरानी Versys 1000 की जगह ली है। बाइक में मेटेलिक मैट ग्रेफेन स्टील ग्रे के साथ मेटेलिक डियाब्लो ब्लैक रंग दिया गया है।

किनसे होगा मुकाबला

2025 Kawasaki Versys 1100 बाइक को सुपर बाइक सेगमेंट में लाया गया है। जिसमें एक हजार सीसी से ज्यादा बड़ा इंजन दिया गया है। इस बाइक का बाजार में सीधा मुकाबला BMW M 1000XR, Ducati Multistrada V4 और Harley Davidson Pan America 1250 जैसी कई बाइक्स के साथ होगा।

नोएडा एक्सप्रेस वे पर भारी जुर्माने से बचना है तो इन चार तरीकों से रखें कार का ध्यान, धोखा नहीं देगी गाड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

उत्तर प्रदेश के नोएडा में यातायात पुलिस की ओर से नए नियमों को लागू किया गया है। जिसके मुताबिक Noida Expressway पर गाड़ी खराब हो जाती है तो 20 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर आप इससे बचना चाहते हैं तो किन चार बातों का ध्यान रखते हुए गाड़ी को बिना खराब हुए चलाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली से सटे नोएडा में यातायात पुलिस की ओर से यातायात के नए नियमों को लागू किया गया है। जिसके मुताबिक Noida Expressway पर सफर के दौरान गाड़ी खराब होने पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। किस तरह की लापरवाही से गाड़ी चलते हुए बंद हो सकती है और इससे किस तरह बचा जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Noida Expressway पर गाड़ी खराब होने पर लगेगा जुर्माना

नोएडा की यातायात पुलिस की ओर से सड़कों पर जाम को कम करने के लिए कुछ नए नियमों को लागू किया गया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस की ओर से Noida Expressway पर सफर के दौरान गाड़ी खराब होने पर कार्रवाई करने की बात कही गई है। इसके मुताबिक अगर एक्सप्रेस वे पर गाड़ी खराब हो जाती है तो मोटर वाहन अधिनियम की धारा 201 के मुताबिक पांच हजार रुपये से लेकर 20 हजार रुपये तक का जुर्माना कमर्शियल वाहनों पर लगाया जा सकता है।

समय पर सर्विस करवाएं

किसी भी गाड़ी की अगर सर्विस को समय पर करवाया जाता है तो कई तरह की परेशानियों को आने से पहले ही ठीक करवाया जा सकता है। कंपनी के सर्विस सेंटर पर अच्छी तरह से ट्रेंड किए गए मेकैनिक जब गाड़ी की सर्विस करते हैं तो वह भविष्य में आने वाली परेशानियों की जानकारी पहले ही दे देते हैं और समय रहते इन समस्याओं को ठीक करवाने के कारण सफर के दौरान गाड़ी के बंद होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसलिए कोशिश करें कि गाड़ी की सर्विस हमेशा समय पर करवाएं।

एयर फिल्टर रखें साफ

निजी वाहनों के साथ ही कमर्शियल वाहनों में भी इंजन तक उचित मात्रा में साफ हवा पहुंचाने का काम एयर फिल्टर के जरिए किया जाता है। कई बार लापरवाही के कारण फिल्टर चोक हो जाता है और सही मात्रा में हवा इंजन तक नहीं पहुंच पाती। ऐसा होने पर गाड़ी अचानक बंद भी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि खुद ही समय समय पर एयर फिल्टर को साफ करें। ऐसा करने से न सिर्फ गाड़ी बंद होने का खतरा कम हो जाता है बल्कि हवा को इंजन तक पहुंचने में मदद मिलती है और माइलेज बढ़ जाती है।

टायर का रखें ध्यान

सड़क पर किसी भी वाहन को चलाया जाता है तो गाड़ी और सड़क के बीच संपर्क बनाने का काम टायर करते हैं। अगर गाड़ी के टायर में हवा कम हो या फिर टायर खराब होने पर भी उपयोग किया जाए तो भी सफर के दौरान समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि टायर में हमेशा सही मात्रा में हवा भरी हो। इसके अलावा टायर खराब होने की स्थिति में हों तो उनको जल्द से जल्द बदल देना चाहिए।

क्षमता से ज्यादा न रखें सामान

अक्सर कमर्शियल वाहनों में क्षमता से ज्यादा सामान रखकर सफर किया जाता है। ऐसा करने से भी गाड़ी के इंजन को नुकसान होता है और लंबे समय तक ऐसा करने से इंजन सीज होने का खतरा बढ़ जाता है जिससे गाड़ी एक जगह रुक सकती है। इसलिए कोशिश करें कि क्षमता से ज्यादा सामान रखकर सफर न करें। इससे न सिर्फ इंजन की उम्र बढ़ती है बल्कि माइलेज में भी बढ़ोतरी होती है।

क्यों एमबीए की डिग्री अकेले अब सफलता की गारंटी नहीं है

विजय गर्ग

एक बार आकर्षक करियर के लिए एक गारंटीकृत गेटवे माना जाता है, एमबीए की जांच के अधीन है क्योंकि बेरोजगारी दर में वृद्धि होती है - यहां तक कि कुलीन संस्थानों से स्नातकों के बीच भी एमबीए स्नातकों के लिए नौकरी का बाजार एक महत्वपूर्ण मोड़ तक पहुंच गया है, जो वार्तालापों की बढ़ती संख्या के साथ गूंजती है, जो रोजगार की बदलती वास्तविकताओं के साथ जूझती है। एक बार उच्च-भुगतान वाले कॉर्पोरेट भूमिकाओं के लिए एक निश्चित टिकट के रूप में देखा जाता है, एमबीए की डिग्री को एक विकसित आर्थिक परिदृश्य में प्रासंगिकता के लिए जांच की जाती है। यह मुद्दा अकेले भारत तक ही सीमित नहीं है; यहां तक कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड और व्हार्टन जैसे कुलीन संस्थानों के स्नातक निचोड़ को महसूस करते हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने हाल ही में बताया कि 2024 में, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के एमबीए स्नातकों के 23 फीसदी लोग बेरोजगार थे। स्टैनफोर्ड और व्हार्टन जैसे अन्य शीर्ष स्तरीय बिजनेस स्कूलों ने इसी तरह के डिप्स देखे हैं, जिसमें बेरोजगारी दर लगभग 20 प्रतिशत है। समस्या केवल संयुक्त राज्य अमेरिका तक सीमित नहीं है। यूथ 2024 के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के वैश्विक रोजगार रुझानों के अनुसार, वैश्विक युवा श्रम बल का 13 प्रतिशत 2023 में बेरोजगार था - लगभग 65 मिलियन लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक चौंका देने वाला आंकड़ा। यह अस्थिर प्रवृत्ति पारंपरिक, सामान्यतावादी एमबीए डिग्री लक्षित कौशल प्रमाणपत्रों की तुलना में कम आकर्षक बनाती है। हाल ही में फोर्ब्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कैसे कुछ एमबीए स्नातक अपनी अपेक्षाओं को कम करके और कम पारंपरिक भूमिकाओं के लिए चुनकर सफल हुए हैं। एक ऐसे युग में जहां उद्योग गतिशील रूप से स्थानांतरित कर रहे हैं, कठोर, कुकी-कटर एमबीए मॉडल गति बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस डिग्री के 360-डिग्री पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता कभी भी अधिक दबाव नहीं रही है। अकेले डिग्री अब इसे नहीं काटते हैं एक मौलिक सत्य स्पष्ट हो रहा है: केवल डिग्री अब नौकरी या उद्यमशीलता की सुरक्षा की गारंटी नहीं देते हैं। भविष्य ऐसे पेशेवरों से संबंधित है, जो कार्यबल की कभी बदलती मांगों को पूरा करने के लिए लगातार अपस्किल और अनुकूलन करते हैं। एमबीए स्नातकों के लिए एक स्पष्ट, संरचित कैरियर प्रक्षेपवक्र हुआ करता था - आमतौर पर परामर्श, वित्त, या प्रबंधन भूमिकाओं के लिए अग्रणी - अब धुंधला हो गया है। स्टार्क वास्तविकता यह है कि एक प्रतिष्ठित योग्यता, जबकि मूल्यवान, अब बेरोजगारी या बेरोजगारी के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रदान नहीं करती है। इससे भी अधिक कहना नौकरी चाहने वालों की मानसिकता में वैश्विक बदलाव है। कनाडा की यात्रा करते समय, मैंने हाल ही में एक एमबीए स्नातक को एक सैलून ब्रांडेड ₹एमबीए बार्बर शॉप₹ चलाने का अवलोकन किया। यह एक महत्वपूर्ण वास्तविकता को दर्शाता है - कई कुशल टमटम नौकरियां समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पारंपरिक शैक्षणिक मार्गों ने अक्सर इस तरह के करियर को अयोग्य के रूप में खारिज कर दिया है। फिर भी, अधिकांश विकसित राष्ट्र योग्यता या पारिवारिक पृष्ठभूमि के बजाय एक कौशल का सम्मान करते हैं। हमें पूछना चाहिए: भारतीय समाज ऐसा क्यों नहीं करता है? डिग्री प्रतिष्ठा पर कौशल सम्मान बदलती नौकरी परिदृश्य एक मौलिक बदलाव की मांग करता है कि हम रोजगार, शिक्षा और कैरियर की सफलता को कैसे देखते हैं। कौशल अधिग्रहण उन व्यक्तियों के बारे में है जो नई दक्षताओं और परिवारों को वैकल्पिक कैरियर रास्तों के प्रति संवेदनशील होने के लिए सीखते हैं। यह समुदायों के बारे में एक विकसित नौकरी बाजार के निहितार्थ को समझने के बारे में है। यह शहरों और क्षेत्रों के बारे में है जो उन लोगों को स्वीकार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं, जिनके पास आजीविका को बनाए रखने के लिए आवश्यक कौशल हैं,

चाहे वे एमबीए या बीटेक डिग्री रखते हों। एमबीए दशकों से पेशेवर और वित्तीय सफलता का प्रवेश द्वार रहा है। हालांकि, अर्थव्यवस्था का विकास इस संकीर्ण सोच से प्रस्थान की मांग करता है। भारत में और कई अन्यदेशों, सामाजिक कंडीशनिंग ने व्यवसायों के एक अनिर्दिष्ट पदानुक्रम का नेतृत्व किया है। व्हाइट-कॉलर कॉर्पोरेट भूमिकाएं मनाई जाती हैं, जबकि व्यावसायिक या ब्लू-कॉलर नौकरियों को अक्सर अनदेखा किया जाता है। यह मानसिकता एक ऐसी दुनिया में पुरानी और हानिकारक है जहां अनुकूलनशीलता और कौशल केवल अकादमिक साख से अधिक मायने रखते हैं। एक 360 डिग्री कौशल क्रांति अब हमें जो चाहिए वह शिक्षा और कौशल विकास का एक पूर्ण पुनर्विचार है। पारंपरिक एमबीए को एक व्यापक स्पेक्ट्रम व्यवसाय की डिग्री से एक गतिशील, कौशल-केंद्रित कार्यक्रम में विकसित होना चाहिए जो उभरते उद्योग के रुझानों को एकीकृत करता है। 360 डिग्री के दृष्टिकोण में वित्त से लेकर विपणन और एचआर तक सब कुछ शामिल होना चाहिए। एमबीए कार्यक्रमों में आला कौशल जैसे डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट और ब्यूटी-वेलनेस में उद्यमशीलता को शामिल करना चाहिए, जो सबसे उभरता हुआ क्षेत्र है। सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के बजाय, वास्तविक दुनिया के व्यापार परिदृश्यों में प्रशिक्षुता, लाइव परियोजनाओं और समस्या-समाधान पर एक मजबूत ध्यान केंद्रित होना चाहिए। एआई, स्वचालन, और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को समझना भविष्य की तैयार भूमिकाओं के लिए स्नातकों को तैयार करने के लिए पाठ्यक्रम का एक मुख्य हिस्सा होना चाहिए। उद्यमिता को एक विकल्प के रूप में मानने के बजाय, बिजनेस स्कूलों को अपने उपक्रमों को शुरू करने और बनाए रखने के लिए कौशल के साथ छात्रों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए और सुसज्जित करना चाहिए। बिजनेस स्कूलों को गिग अर्थव्यवस्था के उदय को पहचानना चाहिए और छात्रों को फ्रीलांस और अनुबंध-आधारित कार्य मॉडल नेविगेट करने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए। आजीविका से परे - काम में स्वभाव कैरियर की सफलता को फिर से परिभाषित करने का मतलब है कि सभी प्रकार के काम पर समान मूल्य रखना। चाहे कोई व्यक्ति एक एमबीए स्नातक हो, जो एक कॉर्पोरेट डिवीजन, एआई सलाहकार, एक कुशल परंपरावादी, या एक स्व-नियोजित नाई, समाज के मामलों में सार्थक योगदान करने की उनकी क्षमता का प्रबंधन करता है। नौकरी की प्रतिष्ठा को उसके शीर्षक से नहीं बल्कि उसके प्रभाव और स्थिरता से मापा जाना चाहिए। इस बदलाव को बढ़ावा देने में माता -पिता, शिक्षकों और नीति निर्माताओं की भूमिका है। हमें युवा दिमागों में शामिल होना चाहिए कि सफलता पारंपरिक सफेद कॉलर व्यवसायों तक ही सीमित नहीं है। उनके चुने हुए क्षेत्र के बावजूद, एक कुशल व्यक्ति को कॉर्पोरेट कार्यकारी के रूप में सिर्फ उतना ही मनाया जाना चाहिए। यदि एक एमबीए स्नातक एक कारीगर, एक शेफ, एक सैलून मालिक या एक नवीकरणीय ऊर्जा तकनीशियन बनने का फैसला करता है, तो उन्हें पायनियर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि विफलताओं के रूप में। संस्थागत परिवर्तन की आवश्यकता शैक्षिक संस्थानों को पुराने ढांचे से आगे बढ़ना चाहिए और उद्योग की मांगों के साथ खुद को संरेखित करना चाहिए। बिजनेस स्कूलों को अनुकूली सोच को बढ़ावा देना चाहिए, छात्रों को अपरंपरागत लेकिन आकर्षक कैरियर पथ के लिए तैयार करना चाहिए। फोकस समस्या-समाधान, डिजिटल प्रवीणता और कठोर शैक्षणिक सिद्धांतों के बजाय उद्यमशीलता की चपलता पर होना चाहिए। सरकारों और उद्योगों को कौशल-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करके भी योगदान देना चाहिए। छात्रवृत्ति, सब्सिडी और जागरूकता अभियान एक सम्मानजनक और पुरस्कृत कैरियर का गठन करने पर सामाजिक दृष्टिकोणों को स्थानांतरित करने में मदद कर सकते हैं। निष्कर्ष: कॉर्पोरेट सफलता के लिए एक बार गोल्डन टिकट के बाद कौशल पर बनाया गया भविष्य, एमबीए एक अस्तित्वगत संकट का सामना करता है। यदि यह प्रासंगिक बने रहना है, तो उसे कट्टरपंथी परिवर्तन से गुजरना होगा। एक डिग्री अब गारंटी नहीं है; वास्तव में जो मायने रखता है वह एक व्यक्ति की कभी-कभी बदलती दुनिया में मूल्य को अनुकूलित करने, नया करने और मूल्य देने की क्षमता है। एक समाज के रूप में, हमें उनकी वास्तविक क्षमता की खोज करने के लिए युवा पेशेवरों को उनकी खोज में समर्थन और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है - यहां तक कि उन नौकरियों में भी जिन्हें कभी ₹अजीबर माना जाता था। वास्तव में, कोई भी नौकरी अजीब नहीं है; क्या मायने रखता है इसकी आवश्यकता और प्रभाव है। गले लगाकरकौशल और करियर पर एक 360-डिग्री परिप्रेक्ष्य, हम एक अधिक समावेशी, लचीला और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण कर सकते हैं। परिवर्तन का समय अब है।

प्राकृतिक खेती: स्थायी कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भारत का मार्ग

विजय गर्ग

शून्य बजट प्राकृतिक खेती जैसी सतत कृषि पद्धतियां कर्षण प्राप्त कर रही हैं क्योंकि भोजन की कमी हमें चेहरे पर घूरती है

भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और स्थायी कृषि को बढ़ावा देना सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) का मुख्य उद्देश्य है। कृषि आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रगति का समर्थन करके प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सभी 17 एसडीजी को प्राप्त करने में भूमिका निभाता है। सतत कृषि पर्यावरण की रक्षा करते हुए, सामाजिक इक्विटी को बढ़ावा देने और आर्थिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के दौरान बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। 2050 तक, वर्तमान कृषि रुझानों के तहत, भारत की 60 प्रतिशत आबादी -10 प्रतिशत वैश्विक आबादी को भोजन की गंभीर कमी का सामना करना पड़ सकता है। संकट को संबोधित करने के लिए उत्पादन में वृद्धि की आवश्यकता होती है, लेकिन उच्च इनपुट लागत और मूल्य अस्थिरता किसानों को कर्ज में धकेल रही है। प्राकृतिक खेती टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए रासायनिक आदानों पर निर्भरता को कम करने के लिए एक लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करती है।

शून्य बजट प्राकृतिक खेती एक जमीनी पहल है जिसका उद्देश्य लागत को कम करके कृषि व्यवहार्यता को बढ़ाना है। भारत में एक मिलियन हेक्टेयर से अधिक वर्तमान में प्राकृतिक खेती के अधीन हैं। प्राकृतिक खेती यूरोपीय मूल की जैविक खेती प्रथाओं के विपरीत, स्थानीय पारिस्थितिक सिद्धांतों और स्वदेशी ज्ञान को एकीकृत करने के लिए स्थायी कृषि के लिए एक भारतीयकृत दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। भारत आंध्र प्रदेश (1 लाख हेक्टेयर), मध्य प्रदेश (0.99 लाख हेक्टेयर) और छत्तीसगढ़ (0.85 लाख हेक्टेयर) सहित प्रमुख राज्यों के साथ प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

अन्य उल्लेखनीय योगदानकर्ता केरल (0.84 लाख हेक्टेयर), ओडिशा (0.24 लाख हेक्टेयर), हिमाचल प्रदेश (0.12 लाख हेक्टेयर), झारखंड (0.034 लाख हेक्टेयर) और तमिलनाडु (0.02 लाख हेक्टेयर) हैं। ZBNF और आंध्र प्रदेश समुदाय-आधारित प्राकृतिक खेती मॉडल सबसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले दृष्टिकोण हैं। NITI Aayog की एक रिपोर्ट रासायनिक-मुक्त खेती के हिस्से को तुरंत 15 प्रतिशत तक दोगुना करने और 2030 तक 30 प्रतिशत तक विस्तारित करने की क्षमता पर प्रकाश डालती है, जिसका खाद्य सुरक्षा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (MANAGE), हैदराबाद, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

प्राकृतिक खेती से रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों को खत्म करके खेती की लागत में 60-70 प्रतिशत की कमी आती है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए, केंद्र सरकार ने 2020-21 में परमपरागत कृषि विकास योजना के तहत भारतीय प्राकृत कृषि

धान योजना शुरू की। 2023 तक, इस योजना में 49.8 करोड़ रुपये के बजट के साथ 6.1 लाख हेक्टेयर शामिल था।

इसके अतिरिक्त, गंगा नदी के किनारे पांच किलोमीटर का प्राकृतिक खेती गलियारा 960,000 हेक्टेयर को कवर करने के लिए लॉन्च किया गया था। प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में 15,000 क्लस्टर बनाना है, जिसमें 1 करोड़ किसान शामिल हैं और 750,000 हेक्टेयर को कवर करना है। प्राकृतिक खेती मिट्टी, श्रम और उपकरण जैसे संसाधनों के उपयोग का अनुकूलन करती है, जिससे फसल उत्पादकता में वृद्धि होती है। यह रासायनिक उर्वरकों, शाकनाशी और कीटनाशकों पर निर्भरता को समाप्त करता है।

यह दृष्टिकोण मिट्टी माइक्रोबायोटा के तेजी से विकास को बढ़ावा देता है और प्राकृतिक आदानों के उपयोग के माध्यम से मिट्टी के वातन में सुधार करता है। सिक्किम ने 2003 में शुरू हुए ₹सिक्किम ऑर्गेनिक मिशन₹ के माध्यम से 2016 में अपना 100 प्रतिशत जैविक दर्जा हासिल किया। इलायची जैसी फसलों के लिए पहले से ही न्यूनतम रासायनिक उर्वरक उपयोग (5.8 किग्रा / हेक्टेयर) और पारंपरिक प्रथाओं के साथ, सरकार ने उर्वरक सब्सिडी को चरणबद्ध किया, जल संरक्षण और प्रशिक्षित किसानों को वर्मीकम्पोस्टिंग और गैर-कीटनाशक कीट प्रबंधन जैसी प्रथाओं में पदोन्नत किया। आईसीएआर वर्तमान में उत्पादकता और मृदा स्वास्थ्य प्रभावों का आकलन करने के लिए उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में शून्य बजट प्राकृतिक खेती प्रथाओं का अध्ययन कर रहा है।

भारत की अनूठी कृषि-पारिस्थितिक विविधता और समृद्ध पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां देश को स्थायी कृषि प्रथाओं के लिए वैश्विक संक्रमण में एक संभावित नेता के रूप में पेश करती हैं।

हालांकि, श्रीलंका जैसे अन्य देशों में देखे गए नुकसान से बचने के लिए सावधानीपूर्वक योजना, मजबूत बुनियादी ढांचा और लक्षित प्रशिक्षण आवश्यक हैं। प्राकृतिक खेती के तरीकों के साथ आधुनिक प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके, भारत संसाधनों को और अनुकूलित कर सकता है, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लचीलापन सुनिश्चित कर सकता है और अपनी बढ़ती आबादी के लिए दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ा सकता है। संक्षेप में, प्राकृतिक खेती केवल पारंपरिक प्रथाओं के लिए एक वापसी नहीं है, बल्कि एक आगे दिखने वाला दृष्टिकोण है जो कृषि उत्पादकता के साथ पारिस्थितिक संतुलन का सामंजस्य स्थापित करता है, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य को बढ़ावा देता है।

मन को जागृत करना: स्वतंत्रता का सच्चा सार

विजय गर्ग

मानव मन पूर्णता चाहता है, शाश्वत सत्य और यात्रा की गई सड़क केवल कारण और तर्क की स्पष्ट धारा को पार करके और पार्च्ड और विमुख सोच के ठोकर ब्लॉकों में नहीं गिरने से है। गुरुदेव मानसिक शोष को गिरफ्तार करने के लिए शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दोनों रूपकों को तैनात करते हैं, जो गायन के दौरान स्वतंत्रता के जुनून को प्रज्वलित करते हैं।

लेकिन स्वतंत्रता क्या दर्शाती है? सीधे शब्दों में कहें, तो यह एक इच्छा के अनुसार कार्य करने, बोलने या सोचने की शक्ति या अधिकार है। कई सदियों पहले, एक भिक्षु एक प्रबुद्ध ज़ेन मास्टर का एक ट्यूट बनने के लिए तैयार था। उन्होंने मास्टर से गुना जुड़ने के लिए कई यात्राएं कीं, लेकिन मंच सभी व्यर्थ थे। एक दिन मास्टर को एक नदी के किनारे कुछ दबंग छात्रों के साथ बैठाया गया। भिक्षु ने एक बार फिर मास्टर से संपर्क किया, विद्वान द्वारा फटकार के डर से। लेकिन अपने विस्मय के लिए, मास्टर ने भिक्षु को उसकी गर्दन की खरोंच से ले लिया और उसे नदी में धकेल दिया। भिक्षु पानी से भरे अपने फेफड़ों के रूप में चिल्लाया और बेदम हो गया। मास्टर ने उसे नदी से बाहर निकाला और फिर से टिप्पणी की, ₹मेरे पास आओ जब आपके दिमाग में इतनी अधिक ज्ञान प्राप्त करने की मात्रा और क्षमता है क्योंकि आपके फेफड़ों में जीवित रहने के लिए इतनी हवा के लिए जगह थी प्रकृति का नियम हमें हमारी अवधारणा के समय से कैद करता है। हम अपनी कोशिकाओं को प्राप्त करते हैं और अपने पूर्वजों से लक्षण प्राप्त करते हैं। वह हमारा डीएनए है और हमारा आरएनए भी। अगली स्कूली शिक्षा माँ के गर्भ में होती है। यह हमारे विचारों का पहला पालना है।

गर्भनाल के माध्यम से हमारे सिस्टम में भावनाओं, भावनाओं, भय, भय, भय, खतरे, प्रभावोत्पादक और एंटीपैथेटिक विचारों को दबा दिया जाता है और प्रवेश किया जाता है। माता-पिता आनुवंशिक और वंशानुगत विकारों से

भी गुजरते हैं, जो समय-समय पर फैशन विचार प्रक्रियाओं की अवधि में होते हैं। दुनिया आज प्रिंट, सोशल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का कैदी है। हम फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन पर पसंद की संख्या और मशहूर हस्तियों के साथ ली गई सेल्फी की संख्या से प्रचारित होते हैं। गिज़्मोस हमारे दिमाग के बगीचों में एकत्रित विचार प्रक्रिया का फैसला करते हैं।

मनुष्य को इस वास्तविकता के लिए जागना चाहिए कि राजनीतिक और आर्थिक अभिजात वर्ग हमारे भविष्य के पाठ्यक्रम को तय करता है न कि रिवर्स। ऐसी दयनीय स्थिति में, हमारे विचार और भाषण कितने स्वतंत्र हैं? हम एक आराम क्षेत्र में रहते हैं जहां मन को चुनौती नहीं दी जाती है और अज्ञात सीमाओं में प्रवेश करने के लिए कोई एपर्चर नहीं है; न ही हम नए शिल्प सीखने और स्वागत या अवांछित स्थितियों का महत्वपूर्ण मूल्यांकन करने के लिए अपकुशल हैं। हालांकि, मनुष्यों को इतना हताश होने की आवश्यकता नहीं है।

स्वतंत्र इच्छा, पसंद और रचनात्मक, कल्पनाशील होने और अमिश्र स्वतंत्रता का आनंद लेने का प्रयास करने के लिए एक वेंटिलेटर है। प्राणायाम के नियमित अभ्यास के माध्यम से, श्वास तकनीक मन के गोलार्ध समय की अवधि में विकसित होते हैं और मनुष्य एक बार फिर 'मुक्त' पैदा हो सकते हैं और 'विचार की स्वतंत्रता' हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार मिटाने को जिम्मेदारी तय हो

इसके बावजूद एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहते हैं, पर कोई राजनीतिक दल यह दावा नहीं करता कि उनके शासित राज्य से भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। राज्य तो दूर की बात है, बल्कि किसी दल में इतना भी साहस नहीं है कि यह कह सके कि कोई एक विभाग पूरी तरह भ्रष्टाचार से मुक्त है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए एजेंसियों को खुली छूट दे दी है और इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार एक दीमक है जिसने देश को खोखला कर दिया है और वह देश को इस बुराई से मुक्त करने के लिए पूरे मनोयोग से काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़निश्चय के बावजूद भारत में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह फैलता जा रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार हो या राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें, सभी भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़े दावे-वादे करती रही हैं, किंतु यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह विकराल होती जा रही है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 की भ्रष्टाचार की सूची वाले देशों में भारत 96वें पायदान पर पहुंच गया है। साल 2023 में भारत की रैंक 93 थी। भारत इस सूची मे पड़ोसी देशों की ज्यादा बुरी हालत पर कुछ राहत महसूस कर सकता है। भ्रष्टाचार की इस सूची में भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान 135 नंबर पर और श्रीलंका 121 पर हैं, जबकि बांग्लादेश की रैंकिंग और भी नीचे 149 पर चली गई है। इस लिस्ट में चीन 76वें स्थान पर है। डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट राष्ट्र होने की सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड और सिंगापुर हैं। 1995 से 2024 तक भारत में भ्रष्टाचार की औसत दर 78.03 रही, जो 2024 में 96.00 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई और 1995 में 35.00 के रिकॉर्ड निम्नतम स्तर पर पहुंच गई थी। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक यानी सीपीआई दुनिया में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली वैश्विक भ्रष्टाचार रैंकिंग है। यह मापता है कि विशेषज्ञों और व्यवसायियों के अनुसार प्रत्येक देश का सार्वजनिक क्षेत्र कितना भ्रष्ट है। प्रत्येक देश का स्कोर 13 विभिन्न भ्रष्टाचार सर्वेक्षणों और आकलनों से प्राप्त कम से कम 3 डेटा स्रोतों से लिया जाता है। ये सोर्स विश्व बैंक और विश्व आर्थिक मंच सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा एकत्र किए जाते हैं। सीपीआई की गणना करने की प्रक्रिया की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जारी की जाने वाली सूची यथासंभव मजबूत और सुसंगत है या नहीं?

भारत में विदेशी निवेश अपेक्षाकृत नहीं आने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार है। भ्रष्टाचार के कारण भारत की अंतरराष्ट्रीय साख कमजोर है। विदेशी कंपनियां यहां निवेश करने से कतराती हैं। देश के उद्योगपति और लघु व मध्यम व्यवसायी इसकी मार से बच नहीं सके हैं। भारत एक तरफ वैश्विक ताकत बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार की जंजीर इसके बढ़ते कदम को रोक रही है। ऐसा देश का शायद ही कोई चुनाव होगा जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं किया हो। मोदी ने लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार पर प्रहार करने में कसर बाकी नहीं रखी। संसद में दिए गए भाषण में उन्होंने कहा था कि मेरे लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनावी जीत या हार के पैमाने पर नहीं है। मैं चुनाव जीतने या हारने के लिए भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहा हूं। यह मेरा मिशन है, मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार एक ऐसा दीमक है

जिसने देश को खोखला कर दिया है। मैं इस देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने और आम लोगों के मन में भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत पैदा करने के लिए पूरे दिल से काम कर रहा हूं। प्रधानमंत्री के देश से पूरी तरह भ्रष्टाचार के खात्मे के प्रति प्रतिज्ञा लेने के बावजूद यदि यह संक्रामक रोग की तरह बढ़ता ही जा रहा है, तो इसके लिए ज्यादातर राजनीतिक दल जिम्मेदार हैं। क्षेत्रीय दलों की हालत यह है कि उनका एकमात्र मकसद किसी भी हालत में सत्ता में बने रहना है। इसके लिए बेशक भ्रष्टाचार से किसी भी हद तक समझौता क्यों न करना पड़े। यही वजह रही है कि इंडिया गठबंधन लगातार चुनावों में शिकस्त खाता रहा है। आश्चर्य यह है कि लोकसभा चुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बावजूद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार को कभी भी प्रमुख चुनावी मुद्दा नहीं बनाया। भ्रष्टाचार को लेकर हालात ये हैं कि जैसे ही कोई भी विपक्षी दल भ्रष्टाचार का जिक्र करता है, तत्काल सत्तारूढ़ दल न सिर्फ उसके बचाव में उतर आता है, बल्कि विपक्षी दल के कारनामे गिनाने लगता है।

यही वजह है कि क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मनमानी करने पर आमदा हैं। यदि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय कोई कार्रवाई करता है, तो राज्य के सत्तारूढ़ दल इसे बदले की कार्रवाई करार देने लगते हैं। इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी सरकार, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और कर्नाटक की सिद्धारमैया की सरकार है। इतना ही नहीं, राजनीतिक दलों का भरसक प्रयास होता है कि अदालतों में चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को भी प्रभावित किया जाए। गौरतलब है कि सीनियर वकील हरीश साल्वे सहित देश के 600 से ज्यादा वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर चिंता जाहिर की थी। सीजेआई को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा था कि ये समूह न्यायिक फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव की रणनीति अपना रहा है और ऐसा खासकर सियासी हस्तियों और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े मामलों में हो रहा है। चिट्ठी में कहा गया है कि ये समूह ऐसे बयान देते हैं जो सही नहीं होते हैं और ये राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा करते हैं। अपनी चिट्ठी में वकीलों ने ऐसे कई तरीकों पर प्रकाश डाला है, जिनमें न्यायपालिका के तथाकथित 'स्वर्ण युग' के बारे में झूठी कहानियों का प्रचार भी शामिल है। न्यायपालिका तक को प्रभावित करने के प्रयासों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में भ्रष्टाचार किस हद तक व्याप्त है। देश की भ्रष्टाचार में रैंकिंग बेशक बढ़ रही हो, इसके बावजूद विगत चुनावों में भाजपा अकेली पार्टी रही, जिसने भ्रष्टाचार के खात्मे की बात कही। अन्य दल तो इस मुद्दे पर चर्चा करने तक से कतराते हैं। विपक्षी दलों ने केंद्र के सत्तारूढ़ दल को भ्रष्टाचार में लपेटने की कई बार नाकाम कोशिश की है, चाहे वह मुद्दा युद्धक विमान राफेल की खरीद का हो या अडानी गुरप से जुड़ा हुआ हो। विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट तक में भ्रष्टाचार के मामले को ले गए, पर इसे साबित नहीं कर पाए।

ऐसा भी नहीं है कि भाजपा भ्रष्टाचार को लेकर दूध की धुली है। भाजपा का दामन थामने वाले विपक्षी दलों के नेताओं के ऐसे मामलों को नजरअंदाज किया जाता रहा है। इसके अलावा केंद्र में भाजपा अकेले अपने बलबूते सत्ता में नहीं है, ऐसे में गठबंधन के सहयोगी दलों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुंह फेरे रहती है। यही वजह रही है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से इन सहयोगी दलों के खिलाफ एक भी कार्रवाई नहीं की गई। कोई भी एजेंसी जब किसी राज्य या विभाग में भ्रष्टाचार का मामला पकड़ती है, तब इस गुनाह पर पर्दा डालने के लिए यही दलील दी जाती रही है कि भ्रष्टाचार को मिटाना है। इसके बावजूद एक के बाद एक भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहते हैं, पर कोई राजनीतिक दल यह दावा नहीं करता कि उनके शासित राज्य से भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। राज्य तो दूर की बात है, बल्कि किसी दल में इतना भी साहस नहीं है कि यह कह सके कि कोई एक विभाग पूरी तरह भ्रष्टाचार से मुक्त है। फिर विभाग चाहे केंद्र सरकार के हों या राज्यों के। यह निश्चित है कि भ्रष्टाचार इस देश से तब तक नहीं मिटेगा, जब तक नेताओं की कथनी और करनी में अंतर रहेगा। नेताओं के साथ नौकरशाहों की भी जिम्मेदारी तय किए बगैर भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ना असंभव है।

-योगेंद्र योगी

मनसुख मांडविया बोले- मोदी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित बनाने का तैयार किया रोडमैप

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है और इसके लिए रोडमैप तैयार किया है, जबकि पिछली सरकारों ने आर्थिक विस्तार के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे को नजरअंदाज किया। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास में नवाचार और परंपरा को जोड़ने के महत्व पर भी जोर दिया।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को पिछली सरकारों पर आरोप लगाया कि वह आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने के जरूरी बुनियादी ढांचे को विकसित करने से चूक गईं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है और उसे हासिल करने के लिए रोडमैप तैयार किया है।

मांडविया ने 'ग्लोबल बिजनेस समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि अतीत में आर्थिक विकास के कई मौके आए, लेकिन देश तैयार नहीं था। इसके लिए उन्होंने उदाहरण दिया कि यह ऐसे ही है जैसे कोई यात्री बिना टिकट और सामान के ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करता है। मंत्री ने कहा कि कई ट्रेनें (आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अवसर) आईं और चली गईं, लेकिन देश सही समय पर अपने सामान और टिकट (विकास का रोडमैप) के साथ तैयार नहीं था।

'विकसित भारत के लक्ष्य के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार'

श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मांडविया ने विशेष रूप से उस बुनियादी ढांचे की कमी का जिक्र किया, जो समय के साथ उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल करने के लिए जरूरी था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अब 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है।

'पूर्वजों ने रखी आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की नींव'

मांडविया ने कहा, अपनी धरोहर से गहराई से जुड़े रहकर भारत का आर्थिक विकास होना चाहिए। साथ ही नवाचार को भी अपनाया जाना चाहिए। सिंदु घाटी के व्यापारियों से लेकर आचार्य चाणक्य तक हमारे पूर्वजों ने आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की नींव रखी और उनके सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

'प्रतिभा और नवाचार को बढ़ावा देने से बदली अर्थव्यवस्था'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलों के जरिए इस भावना को पुनर्जीवित किया है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'एक दशक पहले भारत में सिर्फ चार यूनिकॉर्न थे, आज हमारे पास 188 यूनिकॉर्न हैं, जो यह साबित करता है कि प्रतिभा और नवाचार को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था बदल सकती है।' उन्होंने परंपरा को आधुनिक प्रगति के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया।

'छह वर्षों में गरीबी से बाहर आए 25 करोड़ लोग'

उन्होंने कहा, हम एक स्पष्ट रोडमैप के साथ विकसित भारत की बात कर रहे हैं। पिछले छह वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है और 60 करोड़ भारतीयों को आयुष्मान भारत के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा मिली है।

महाराष्ट्र में बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, एक करोड़ से ज्यादा की संपत्ति को किया कुर्क

ईडी ने बैंक धोखाधड़ी मामले में मेसर्स वन वर्ल्ड क्रिएशन्स प्राइवेट लिमिटेड (ओसीपीएल) और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलाशी अभियान चलाया। इसके तहत जांच एजेंसी ने 12 फरवरी और 13 फरवरी को राज्य के अलग- अलग स्थानों पर छापेमारी की और कई संपत्तियों को कुर्क कर दिया।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत ईडी ने 12 फरवरी और 13 फरवरी को राज्य के अलग- अलग स्थानों पर छापेमारी की और कई संपत्तियों को कुर्क कर दिया। मामले की जानकारी देते हुए ईडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मुंबई में ईडी ने बैंक धोखाधड़ी मामले में मेसर्स वन वर्ल्ड क्रिएशन्स प्राइवेट लिमिटेड (ओसीपीएल) और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलाशी अभियान चलाया।

ईडी की और से दी गई जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत 13 फरवरी 2025 को मुंबई में 8 अलग-अलग स्थानों पर की गई। तलाशी के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए और उन्हें जब्त कर लिया गया।

1.69 करोड़ की संपत्ति कुर्क

साथ ही ईडी ने आगे एक दूसरे पोस्ट में बताया कि ईडी ने 12 फरवरी 2025 को पीएमएलए, 2002 के तहत मेसर्स राजमल लखीचंद ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के बैंक धोखाधड़ी मामले में महाराष्ट्र के जलगांव और नासिक जिलों में स्थित 1.69 करोड़ रुपये की कई अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

धोखाधड़ी में फंसे जमकर्ताओं को दी थी राहत

बीते महीने जनवरी में ऐसे ही एक मामले में महाराष्ट्र के एक सहकारी बैंक के धोखाधड़ी में फंसे लाखों जमाकर्ताओं के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आ रही है। जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने महाराष्ट्र के एक सहकारी बैंक के धोखाधड़ी में फंसे लाखों जमाकर्ताओं को 289 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अब सस्ते में पी सकेंगे अमेरिका की बरबन व्हिस्की, सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी 150 से घटाकर 50 प्रतिशत की

अमेरिका की सबसे लोकप्रिय बरबन व्हिस्की अब भारत में सस्ती हो गई है। पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय वार्ता करने से कुछ घंटे बाद भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क में 66.6 प्रतिशत की कटौती की है। अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

नई दिल्ली। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत की तैयारी के बीच भारत ने बरबन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह 150 प्रतिशत था। बरबन व्हिस्की अपनी मिठास के लिए जानी जाती है।

भारत में बार्बन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत से ठीक पहले 13 फरवरी को बरबन व्हिस्की पर सीमा शुल्क में कटौती की अधिसूचना जारी की गई थी। हालांकि अन्य शराब के आयात पर सीमा शुल्क में कोई कटौती नहीं की गई है। उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा।

अमेरिका भारत में बरबन व्हिस्की का सबसे बड़ा निर्यातक है। कुल बरबन व्हिस्की का एक चाथाई हिस्सा अमेरिका से ही आयात किया जाता है।

बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा

राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, बरबन व्हिस्की के आयात पर अब 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगेगा। भारत ने 2023-24 में 25 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य की बरबन व्हिस्की का आयात किया।

हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर दिख सकता है जलवा

डोनाल्ड ट्रंप के 'जवाबी टैरिफ' पर जोर देने के बीच इस तरह की चर्चाएं हैं कि अमेरिकी बाइक कंपनी हार्ले-डेविडसन का भारत में फिर से जलवा दिख सकता है। इस महीने की शुरुआत में पेश किए गए बजट में आयातित महंगे बाइक पर कस्टम ड्यूटी में कटौती की गई है ताकि उनका आयात सस्ता हो सके।

इस समय भारतीय साझेदार हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर केवल एक माडल एक्स-440 बेचने वाली हार्ले डेविडसन ने भारत में 13 माडल बाजार में उतारे थे, लेकिन कंपनी ने 2020 में अपना मैन्यूफैक्चरिंग और सेल्स बंद कर दिया।

आयकर विभाग की वेबसाइट पर अपलोड हुआ आयकर विधेयक, मौजूदा कानून से कर सकते हैं मिलान

परिवहन विशेष न्यूज

विधेयक के पारित होने के बाद आयकर विधेयक 2025, 64 साल पुराने आयकर कानून की जगह लेगा। दरअसल समय के साथ आयकर कानून में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही थी।

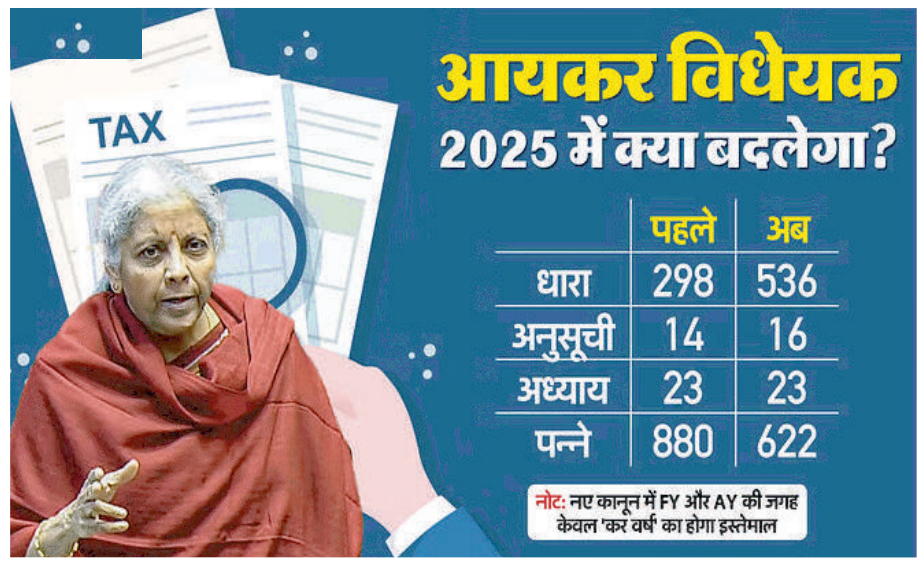

नई दिल्ली। आयकरदाता अब आयकर अधिनियम, 1961 की धाराओं का मिलान आयकर विधेयक, 2025 के संबंधित खंडों से कर सकते हैं। आयकर विभाग ने आयकर कानून 1961 की नए आयकर विधेयक की धाराओं के साथ मैपिंग कर दी है औरर आयकरदाता आयकर विभाग के पोर्टल पर जाकर इनका मिलान कर सकते हैं। सरलीकृत आयकर विधेयक 2025 को बीती 13 फरवरी को ही लोकसभा में पेश किया गया था।

विधेयक में हुए हैं ये बदलाव

विधेयक के पारित होने के बाद आयकर विधेयक 2025, 64 साल पुराने आयकर कानून की जगह लेगा। दरअसल समय के साथ आयकर कानून में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही थी। आयकर विधेयक 2025 में 2.6 लाख शब्द हैं, जबकि आयकर कानून में शब्दों की संख्या 5.12 लाख है। नए विधेयक में 536 धाराएं हैं, जबकि मौजूदा कानून में 819 प्रभावी धाराएं हैं। नए विधेयक में 23 अध्याय हैं, जबकि मौजूदा कानून में 47 अध्याय हैं। विधेयक में 57 सारणी हैं जबकि मौजूदा आयकर कानून में 18 सारणियां हैं। नए विधेयक में आयकरदाताओं को कर की गणना करने में आसानी होगी। मौजूदा कानून की तुलना में नए विधेयक में 1200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं।

14 फरवरी को एक्स पर साझा पोस्ट में आयकर विभाग ने बताया कि करदाता ड्रॉप डाउन मेनू से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा का चयन कर सकता है और उसके अनुसार, आयकर विधेयक में संबंधित खंड दिखाई देंगे। इसके अलावा, करदाताओं की सुविधा के लिए सारणीबद्ध प्रारूप में अनुभागवार मैपिंग की गई है। विधेयक में छोटे वाक्यों का उपयोग किया गया है और तालिकाओं और सूत्रों के उपयोग से इसे पाठकों के लिए आसान बनाया गया है। टीडीएस, अनुमानित कराधान, वेतन संबंधित प्रावधानों के लिए तालिकाएं प्रदान की गई हैं।

विधेयक में 1 अप्रैल से शुरू होने वाली 12 महीने की अवधि के रूप में 'कर वर्ष' की नई अवधारणा पेश की गई है। यह आकलन और पिछले वर्ष की वर्तमान अवधारणा की जगह लेगा। वर्तमान में, पिछले वर्ष (PY) यानी अप्रैल 2024 से मार्च 2025 में अर्जित आय का आकलन आकलन वर्ष (AY) 2025-26 में किया जाएगा। विधेयक 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगा। विधेयक को अभी लोकसभा की एक प्रवर समिति द्वारा जांचा जाएगा और संसद द्वारा मंजूरी दी जाएगी।

अच्छी खबर! 17 साल बाद मुनाफे में आई BSNL, सरकारी समर्थन ने बदली तस्वीर; कमाई जानकर उड़ जाएंगे होश

BSNL
Connecting Bharat
Securely • Affordably • Reliably

बीएसएनएल ने वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ का लाभ दर्ज किया है जो 2007 के बाद से पहली बार मुनाफे में वापसी है। यह उपलब्धि कंपनी के नवाचार आक्रामक नेटवर्क विस्तार लागत अनुकूलन और ग्राहक-केंद्रित सेवा सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है। कंपनी को इस वित्त वर्ष के अंत तक हमें अपने राजस्व में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है।

नई दिल्ली। संचार मंत्रालय के अधीन काम करने वाली भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने लगभग 18 साल बाद किसी तिमाही में लाभ अर्जित किया है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बीएसएनएल को 262 करोड़ रुपए का लाभ हुआ है।

वर्ष 2007 से बीएसएनएल घाटे में चल रही थी

वर्ष 2007 से बीएसएनएल घाटे में चल रही थी। बीएसएनएल को घाटे से उबारने और टेलीकाम कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लायक बनाने के लिए सरकार पिछले पांच सालों में कंपनी को 3.22 लाख करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज देने की घोषणा कर चुकी है।

वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने बीएसएनएल को 69 हजार करोड़, 2021 में 1.64 लाख करोड़ तो वर्ष 2023 में 89,000 करोड़ के वित्तीय पैकेज की घोषणा की गई थी। कंपनी के सीएमडी ए.राबर्ट जे.रवि के मुताबिक नवाचार व ग्राहकों की संतुष्टि व नेटवर्क के विस्तार से बीएसएनएन ने यह मुकाम हासिल किया है।

राजस्व में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद

उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक हमें अपने राजस्व में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मोबिलिटी सेवा के राजस्व में 15 प्रतिशत, फाइबर टू होम के राजस्व में 18 प्रतिशत तो लीज्ड लाइन सेवा के राजस्व में 14 की बढ़ोतरी से बीएसएनएल को मुनाफे में आने में मदद मिली है।

बीएसएनएल अपने सेवाओं को 5जी तक ले जाने में जुटी

सीएमडी के मुताबिक कंपनी अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने, 5जी को लेकर तैयारी करने और डिजिटल बदलाव करने में जुटी है। नेशनल वाइ-फाइ रोमिंग जैसी सेवा के साथ बीआइटीवी के माध्यम से ग्राहकों को मुफ्त में मनोरंजन सेवा दी जा रही है।

बीएसएनएल ने ग्राहकों के विश्वास को और मजबूत किया

बीएसएनएल के सीएमडी श्री ए रॉबर्ट जे रवि ने कहा कि अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, हमने नेशनल वाईफाई रोमिंग, बीआईटीवी - सभी मोबाइल ग्राहकों के लिए मुफ़्त मनोरंजन और सभी एफटीटीएच ग्राहकों के लिए आईएफटीवी जैसे नए नवाचार पेश किए हैं। सेवा की गुणवत्ता और सेवा आश्वासन पर हमारे निरंतर ध्यान ने ग्राहकों के विश्वास को और मजबूत किया है और भारत में एक अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता के रूप में बीएसएनएल की स्थिति को मजबूत किया है।

आगे कहा कि 262 करोड़ रुपये का यह लाभ बीएसएनएल के पुनरुत्थान और दीर्घकालिक स्थिरता को रेखांकित करता है। जैसा कि हम इस विकास पथ पर आगे बढ़ते हैं, हम अपने शेयरधारकों को उच्च मूल्य प्रदान करने, बाजार के अवसरों का विस्तार करने और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक पर केस; 122 करोड़ के गबन का मामला

सहकारी बैंक की 28 शाखाओं में से अधिकांश मुंबई महानगर में स्थित हैं। इसके अलावा पड़ोसी गुजरात के सूरत में भी इसकी दो शाखाएं हैं। बैंक की एक शाखा पुणे में भी है।

मुंबई पुलिस ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक, लेखा प्रमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मामले को आगे की जांच के लिए शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया, 'बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने शुक्रवार को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में जाकर पैसे के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई।' शिकायत के अनुसार उन्होंने बताया, 'बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची। बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों में रखे धन से 122 करोड़ रुपये का गबन किया।'

उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर मेहता और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316 (5) (लोक सेवकों, बैंकरों और भरोसेमंद पदों पर बैठे अन्य लोगों द्वारा आपराधिक विश्वासघात), 61 (2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच के दायरे को देखते हुए मामले को ईओडब्ल्यू को सौंप दिया गया है। एजेंसी ने जांच शुरू कर दी है।

सहकारी बैंक की 28 शाखाओं में से अधिकांश मुंबई महानगर में

इस सहकारी बैंक की 28 शाखाओं में से अधिकांश मुंबई महानगर में स्थित हैं। इसके अलावा पड़ोसी गुजरात के सूरत में भी इसकी दो शाखाएं हैं। बैंक की एक शाखा पुणे में भी है। बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई से इसके ग्राहकों में खलबली मच गई, जो शुक्रवार को सुबह से ही अपनी बचत निकालने की उम्मीद में इसकी शाखाओं में उमड़ पड़े, लेकिन उन्हें परिसर में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

बचत, चालू या किसी भी खाते से किसी भी राशि की निकासी पर रोक

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक को ऋण देने या नवीनीकृत करने, नई जमाराशियां स्वीकार करने, निवेश करने, अपनी देनदारियों के लिए कोई भुगतान करने या अपनी किसी भी संपत्ति को बेचने से रोक दिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि बैंक में हाल के भौतिक घटनाक्रमों से उत्पन्न पर्यवेक्षी चिंताओं और बैंक के जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के कारण यह रोक लगाई गई है।

सुदृढ़ और प्रगाढ़ होते भारत-अमेरिका संबंध !

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमेरिका का दौरा किया गया। भारतीय प्रधानमंत्री के इस दौरे से दोनों देशों के बीच 'मेगा' पार्टनरशिप के द्वार खुले हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने फ्रांस में एआई शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी की तथा साथ ही साथ अमेरिका में उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी मुलाकात की। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप के 20 जनवरी, 2025 को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली द्विपक्षीय बैठक थी। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत के प्रधानमंत्री के यूएस दौरे से दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूती मिली है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति की मुलाकात 13 फरवरी को गुरुवार देर रात (भारतीय समय के मुताबिक शुक्रवार तड़के 3 बजे) वाइट हाउस में हुई। इस दौरान टैरिफ मामले को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी की तारीफ की और उन्हें एक एफ नेगोसिएटर (मोलभाव करने वाल) करार दिया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत के प्रधानमंत्री ने व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान हुई बैठकों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि बैठक के दौरान पीएम मोदी ने ग्लोबल लीडरशिप और आर्थिक उन्नति के लिए भारत-अमरीका के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर मागा (मेक्र अमीका ग्रेट अगेन) की बात कहते हैं। हम भी विकसित भारत के लिए काम कर रहे हैं, यह अमरीकी संदर्भ में मिगा (मेक इंडिया ग्रेट अगेन) कहा जाएगा। दोनों को मिलाकर देखे तो यह हमारी परस्पर समृद्धि के लिए मेगा (मेक्र अमरीका-इंडिया ग्रेट अगेन) पार्टनरशिप होगा।' वार्ता के दौरान भारत और अमेरिका ने रक्षा, ऊर्जा और अत्याधुनिक तकनीक के क्षेत्रों में अपने सहयोग को व्यापक करने का निर्णय लिया। इतना ही नहीं, दोनों देशों(भारत-अमेरिका) ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने व्यापार घाटा कम करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति जताई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी झड़पों को 'काफी हिंसक' बताते हुए इस विवाद को खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की और उन्होंने यह उम्मीद जताई कि दोनों देश मिलकर इस मुद्दे का समाधान निकाल सकते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी, लेकिन भारत ने इसे तुरंत ठुकरा दिया था। अब यह देखना होगा कि ट्रंप भारत-चीन विवाद में अपनी मध्यस्थता की पेशकश को कितनी गंभीरता से आगे बढ़ाएंगे। ट्रंप ने अमेरिका और रूस जैसे बड़े देशों को भी साथ मिलकर काम करने की बातें भी कहीं ताकि दुनिया में शांति बनी रहे। वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी घोषणा की मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा। गौरतलब है कि अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इस फैसले को मंजूरी दी थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से राणा को सौंपने की मांग कर रहा था, जिससे अब न्याय की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इतना ही नहीं, अमरीका और भारत ने इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने का भी फैसला किया है। दोनों देशों ने आतंकवादी संगठनों के वित्तपोषण(फंडिंग) को रोकने, खुफिया जानकारियां आपस में साझा करने और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने की बात कही, जो कि काबिले-तारीफ कदम है। वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह घोषणा की है कि अब लॉस एंजिलिस व बॉस्टन में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) खोले जाएंगे। इससे भारतीय प्रवासियों को लाभ मिलेगा तथा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक व व्यावसायिक संबंध और मजबूत होंगे। अच्छी बात यह भी है कि भारत और अमेरिका के आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए नई योजनाएं बनाई गई हैं, जिससे दोनों देशों की दोस्ती और साझेदारी और गहरी होगी। वास्तव में, अमेरिका भारत के साथ व्यापार घाटे को कम करने के लिए नये समझौते करने जा रहा है। दोनों देशों के बीच समझौते से व्यापार और निवेश के नये अवसर खुल सकेंगे। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि भारत और अमेरिका ने भविष्य में अपना अंतरराष्ट्रीय व्यापार 500 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य तय किया है, जो कि उसके वर्तमान लक्ष्य से दुगुना है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह भारत के लिहाज से एक बहुत ही सकारात्मक, बड़ा और उत्साहवर्धक कदम है। वार्ता के दौरान दोनों देशों ने सेमीकंडक्टर 5 निर्माण और क्वांटम कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में ज्वाइंट रिसर्च और डेवलपमेंट पर भी सहमति जताई है। अमेरिकी दौरे का एक यह फायदा भी हुआ है कि भारत में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए अब अमरीका भारत को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे भारत में तकनीकी उत्पादन क्षमता में भी अभूतपूर्व वृद्धि हो सकेगी। इतना ही नहीं, भारत और अमरीका ने छोटे न्यूक्लियर मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित करने के लिए भी सहयोग करने का फैसला लिया है। इससे स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और दोनों देशों की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। दोनों देशों के बीच यदि हम रक्षा सहयोग की बात करें तो अब अमेरिका भारत को अरबों डॉलर के रक्षा उपकरण बेचेगा, जो कि एक बड़ा कदम है, क्यों कि इससे हमारा देश रक्षा के क्षेत्र में और अधिक मजबूत और सुदृढ़ हो सकेगा। गौरतलब है कि अमेरिका भारत को अरबों डॉलर के रक्षा उपकरण और भविष्य में भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स देने की दिशा में काम करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वर्ष 2017 में उनके प्रशासन ने क्वाड सुरक्षा साझेदारी को फिर से सक्रिय किया, जिसमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह सहयोग इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है। इतना ही नहीं भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा से दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को भी दृढ़ता मिली है। गौरतलब है कि अमरीका ने भारत को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ाने का फैसला किया है। दोनों देशों ने अक्षय ऊर्जा और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर भी मिलकर काम करने की योजना बनाई है, जो बहुत ही सकारात्मक और अच्छा कदम है। इसके अलावा, भारत और अमरीका ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का निर्णय भी लिया है।अब दोनों देश मिलकर उन्नत(एडवांस) एआइ सिस्टम विकसित करेंगे। अंत में, कुल मिलाकर यह बात कही जा सकती है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल ही की अमेरिका यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में मजबूती और प्रगाढ़ता आई है और दोनों ही देशों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

महामहिम 4.50 बजे रांची पहुंचीं, राजभवन में स्वागत

कार्तिक परिच्छा, झारखंड

रांची। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार की शाम 4.50 बजे रांची एयरपोर्ट पहुंचीं है . जहां राज्यपाल संतोष गंगवार, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, झारखंड के डीजीपी, सिटी एसपी राज्य के आला अधिकारियों ने उनका स्वागत किया. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से वे सीधा राजभवन निकल गयी. इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता के इंतजाम थे. राजभवन और उसके आसपास के इलाकों की चौकसी बढ़ा दी गयी है. सनद रहे कि राष्ट्रपति बनने से पूर्व वे इसी राजभवन में राज्यपाल रहीं । जहां से उनका पैतृक जिला मयूरभंज , ओडिशा महज दो -ढाई सौ किलोमीटर दूर स्थित है । बता दें कि राष्ट्रपति दो दिवसीय दौरे पर राजधानी आयी है. वे शनिवार को बीआईटी मेसरा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी.

नशें की विनाशलीला रचता युवा वर्ग

प्रेषक स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

'महानगर हो या अन्य शहर, कल तक जो युवाओं को नई पीढ़ी को संस्कारवान बनने की दिशा दिखाते थे, वह अब खुद आज सिगरेट के धुएं से लेकर नशे में डूबे हुए हैं। शराब, बीयर व अन्य नशीले पदार्थ के सेवन की बिंदास तस्वीरें हर एक शहर की है। आखिर यह किस प्रकार का चरित्र है, व चित्रण में क्या-क्या देखने को मिलेगा ? अब शहरों की आबो-हवा में युवा पीढ़ी की इस नकारात्मक वैचारिक सोच और बेलगाम नशे में डूबता-उड़ते हर एक शहर व महानगर की यही कहानी है। आंकड़ों को देखें तो प्रत्येक १०० लोगों में ४०-४५ युवतियाँ खुलेआम सिगरेट के गुल उड़ाती मिल रही हैं। लड़कियाँ हों या लड़के, सभी फिल्म के उस नायक के गाना गाते हुए "हर एक फ़क्रि को धुएं में उड़ाता चला गया।" जैसा बन रहे हैं। नयी पीढ़ी के युवक-युवतियाँ खुलेआम नशे के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। आखिर ऐसी अभिव्यक्ति किस काम की है, जो अपने-आपको खत्म करने की राह दिखा रही है। नशे की हर एक चीज में वैधानिक चेतावनी लिखी रहती है "सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इससे कैंसर हो सकता है" पर गुटखा-पाउच तो बच्चे भी खा रहे हैं, वहीं शराब आदि सभी नशे की चीजें और हर एक बुराई सामाजिक स्तर पर पतन का कारण बन रही है। इससे युवा पीढ़ी का मान-सम्मान भी खत्म होता है और योग्यता पर भी प्रश्न चिन्ह लग रहा है। आखिर इस प्रकार की खुली छूट किस काम की है, जो हमारे भविष्य के लिए नुकसानदायक है। जीवन जीने के लिए है, तो फिर क्यों अपनी जान के दुश्मन हम बने हुए हैं।

समझना होगा कि नशे से जीवन बर्बादी की डगर पर चला जाता है। पहले बहुत से महानगर व शहरों में 'नाइट कल्चर' की पाश्चात्य संस्कृति चल रही थी, और अब भी चल रही है। बड़े शहरों में खुलेआम नशे का राज फ़ैलता जा रहा है। कहीं-कहीं महानगर में इस 'नाइट कल्चर' के ग़लत परिणाम भी सामने आ रहे हैं तो बहुत-सी जगह इस पर पाबंदी लगा दी गई है। शासन व प्रशासन कितने भी प्रयास करें, पर असली व सार्थक पहल तो युवा तरुणाई को ही करना है, जो नशे की बुराई से दूर रहे।

हर इंसान को इस बात की गंभीरता समझनी होगी कि नशे की विनाशलीला पर जकड़ता हुआ हर एक शहर बदरंग हो रहा है। दूरदराज़ के गांव छोटे से बड़े शहरों व महानगर में पढ़ने आने वाले युवक-युवतियाँ अकेले रहते हैं। आजाद विचारों के चलते गलत संगत में पड़ जाते हैं और अपनी आजादी का दुरुपयोग करते हैं। आज हजारों की सिगरेट व नशे में बर्बाद हो रहे युवा वर्ग ने माहौल को खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आज शहरों में जो गर्म हवा चल रही है, उससे नवजीवन की तलाश में लगे छात्र-छात्राओं का सुनहरा भविष्य व जीवन दोनों ख़राब हो रहे हैं, जो युवा वर्ग को अपने आज़ में खोखला कर रहे हैं। इसलिए, नशे की बुराई से दूर रहने का प्रयास युवा पीढ़ी को करना चाहिए। क्लब, पब, कैफे और पान-सिगरेट के ठिओं पर जो भीड़ हो रही है, वह नयी पीढ़ी को बहकाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि युवा पीढ़ी को सही दिशा दिखाएं, जिससे उन्हें नशे की जकड़ से बाहर निकालने का प्रयास हो सके।

जारी छापों में एसएनके पान मसाला समूह की राजफाश हुई अरबों की अघोषित संपत्तियां

सुनील बाजपेई

देशभर में एस एन के समूह के 47 ठिकानों पर लगातार जारी छापेमारी में अबतक कन्नौज, फर्रुखाबाद, नोएडा, दिल्ली, मुंबई, गोवा समेत दक्षिण भारत के कई शहरों में अरबों की अघोषित संपत्तियां का हुआ राजफाश ,50 करोड़ से ज्यादा की कर चोरी का अनुमान,मिले जमीनों के दस्तावेज और बोगस कंपनियों के भी रिकॉर्ड

कानपुर। कर चोरी करने वाले उद्योगपतियों पर सरकार का शिकंजा लगाता जारी है ,जिसके क्रम में एसएनके पान मसाला समूह और उससे जुड़े कारोबारियों के देशभर में 47 ठिकानों पर जारी छापेमारी के दौरान अबतक बड़ी संख्या में जमीनों के दस्तावेज और बोगस कंपनियों के रिकॉर्ड मिले हैं।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक इस छापेमारी में कन्नौज, फर्रुखाबाद, नोएडा, दिल्ली, मुंबई, गोवा समेत दक्षिण भारत के कई शहरों के 45 ठिकानों पर अब तक अरबों की अघोषित संपत्तियां का राजफाश हुआ है।

वहीं समूह के चेयरमैन स्थित स्वरूप नगर आवास से करीब 12 करोड़ रुपए की कैश रिकवरी भी हुई है। वहीं कन्नौज में चल रही छापेमारी के दौरान वहां भी कैश बरामद किया गया है। वहां नोटों को गिनने के लिए मशीन भी लाई गई है। इस बीमारी की अभी दो-तीन दिन और जारी रहने की भी संभावना बताई गई है। सूत्रों ने बताया कि कर चोरी के खिलाफ इस छापेमारी में सफलता के लिए दिल्ली, मुंबई से आए फॉरेंसिंक एक्सपर्ट ने ठिकानों से मिले कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को खंगाला है।

सूत्रों के अनुसार, कई अहम डेटा डिवाइस से डिलीट भी मिले हैं। अबतक की जांच पड़ताल में समूह और इनके सहयोगियों के यहां बड़ी टैक्स चोरी भी उजागर हुई है। फिलहाल इस छापेमारी में अबतक 50 करोड़ से अधिक की टैक्स चोरी भी मिली है। वहीं 100 से अधिक बोगस कंपनियां भी सामने आने के साक्ष्य मिले हैं। जिनकी छानबीन में लगातार जारी है।

अवगत कराते चलें कि एस एन के पान मसाला समूह में इसके पहले भी कर चोरी के खिलाफ कई बार छापे मारी की जा चुकी है ,जिसमें भी करोड़ों की कर चोरी का पर्दाफाश भी हो चुका है।

आधुनिकता व ऐतिहासिकता का बेहतरीन प्लेटफॉर्म "नमो घाट"

रितेश कुमार यादव

वाराणसी। तीनों लोकों से न्यारी काशी के प्राचीन घाट एक ओर जहां ऐतिहासिक विरासत को संजोकर रखे हैं तो इस कड़ी में कुछ नवनिर्मित घाट आधुनिकता व प्राचीनता का अनूठा संगम झलकाते हैं। ऐसा ही एक घाट है नमो घाट। इसका उद्घाटन वाराणसी के सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सन 2017 में किया था। उत्तरी छोर पर स्थित यह घाट धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टिकोण से कुछ ही समय में आकर्षण का केंद्र बन चुका है। घाट का नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर रखा गया है। नमो घाट की वास्तुकला आधुनिक और पारंपरिक शैली का उत्कृष्ट मिश्रण है। घाट के निर्माण में संगमरमर पदार्थ, स्टेनलेस स्टील और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का उपयोग किया गया है जिससे यह घाट धार्मिक स्थल के रूप में ही नहीं बल्कि पर्यटकों के लिए प्रमुख

आकर्षण का केंद्र भी बन चुका है। घाट का विशाल प्लेटफार्म और सुंदर कला इसकी सुंदरता को चार चांद लगाती है। इस घाट पर प्रतिदिन गंगा आरती के साथ-साथ अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होते हैं। घाट पर कैफे और शॉपिंग स्टॉल्स के अलावा छायादार केबिन की व्यवस्था भी है। आसपास की हरियाली और सुंदर वातावरण पर्यटकों को और लुभाती है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय घाट पर मन को प्रसन्न करने जैसा वातावरण बरबस लोगों को आकर्षित करता है। ध्यान लगाने एवं मानसिक शांति की तलाश करने वालों के लिए यह घाट सबसे उपयुक्त है। यह घाट काशी के विरासत में एक कड़ी के रूप में जुड़ गया है। जल थल वन अप से जुड़ने वाला या घाट खास मायने रखता है। यहां हेलीपैड की व्यवस्था है। आधुनिकता और धार्मिकता का बेहतरीन संतुलन यह घाट न केवल श्रद्धालुओं के लिए बल्कि पर्यटकों और शांतिपूर्ण वातावरण की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श स्थल है।

झारखंड में सीडीपीओ को आईएएस दिलाने के बाद सत्रह नाम आईपीएस हेतु

कभी एक विधायक के शिकायत पर नहीं मिलती थी प्रोन्नति

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची। गैर प्रशासनिक कैटेगरी याहां तक की बाल विकास परियोजना से आई ए एस बनाये जाने के बाद अब झारखंड राज्य पुलिस सेवा के नौ अफसरों को आईपीएस में प्रोन्नति दी जाएगी ।राज्य सरकार ने वर्ष 2021, 2022 और 2023 की कुल नौ रिक्तियों के विरुद्ध आईपीएस में प्रोन्नति के लिए यूपीएससी को अनुशंसा की है । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की स्वीकृति के बाद यूपीएससी को कुल 17 पुलिस पदाधिकारियों की सूची प्रेषित की गयी है ।इसी झारखंड में बीस वर्ष एक ऐसा जमाना था जब एक विधायक के लिखित शिकायत पर आई ए एस में प्रौन्नति नहीं मिलती थी चहेतों को । इतना ही नहीं आज भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी केन्द्र प्रतिनियुक्ति में जाना नहीं चाहते । ऐसे में अब केन्द्र भी शख्त नियम बनाने जा रही है ।

झारखंड के मुख्यमंत्री द्वारा यूपीएससी को भेजी गयी सूची में शिवेंद्र, राधाप्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, मजरूल होदा, राजेश कुमार, दीपक कुमार, अविनाश कुमार, रोशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र चौधरी, राहुल देव बड़ाइक, ख्रीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाइक, समीर तिर्की और हीरालाल रवि का नाम शामिल है. यूपीएससी को जिनके नाम भेजे गए हैं, वे सभी पुलिस पदाधिकारी डीएसपी, सीनियर डीएसपी और एडिशनल एसपी रैंक के अफसर हैं. अधिकारियों के एसीआर समेत अन्य दस्तावेज भी यूपीएससी को सौंपे गये हैं. पुलिस अधिकारियों के प्रदर्शन, कार्यानुभव और एसीआर के आधार पर यूपीएससी प्रोन्नति के योग्य अफसरों का चयन ।

एक जमाना ऐसा भी था जब सरायकेला के एक उच्च शिक्षित एक पूर्व विधायक अनंतराम टुडू ने 2004 ने आई ए एस हेतु चयनित तत्कालीन बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जो झारखंड कैडर में कार्यरत थे उन्हें आई ए एस दिये जाने पर आपत्ति जताकर झारखंड सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग को एक पत्र लिखा था । ये वही विधायक रहे जिन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को उनके सरायकेला सीट से हराया था । अनंत राम ने अधिकारियों के भ्रष्टाचार में अन्तर लिप्तता व कार्यशैली को पत्र में दर्शाया था । जिसके बाद तत्कालीन झारखंड सरकार एवं केंद्र सरकार ने उन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति देना उचित नहीं समझा । अंततः मामले को रद्द करना पड़ा था । अब अनंत राम टूडु झारखंड में बाल विकास परियोजना के सीडीपीओ अधिकारियों को आई ए एस दिये जाने पर आश्चर्य चकित हैं ।

आज फ्रेस आई ए एस सेवा के अधिकारियों की कार्यशैली का आलम यह है कि वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में जाना नहीं चाहते। ताजा मामला 2009 बीच के आईएएस अधिकारियों की संयुक्त सचिव पद के लिए पैनल सूची हाल ही में जारी हुई है । जिसमें 16 अधिकारियों को प्रारंभिक सूची में शामिल किया गया है । अब तक यह किसी भी बैच में शामिल किए गए अधिकारियों की सूची में सबसे कम है । आईएएस अधिकारी भी अब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से बचना चाहते है यह सोचने वाली बात है । केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में जाने से घटती रूची पर केंद्रीय कर्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए खतरा बन गया है । नियमानुसार आईएएस अधिकारियों को संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त रहने के लिए केंद्र में न्यूनतम दो वर्ष तक डिप्टी सेक्रेटरी या डायरेक्टर रूप में सेवा देनी होती है । हां, पर इस नियम 2007 2008 के अधिकारियों को कुछ राहत दी गयी थीं ।

इसमे कुछ मुख्य कारण भी है जो कार्मिक प्रशासनिक सुधार के जानकार मानते है । वे केन्द्र के नौकरशाही के शख्स नियम में ढलना पसंद नहीं करते । अधिकारी राज्य सरकार के करीबी बन कर काम करना ज्यादा आराम सुविधा जनक मानते । केन्द्र से बचना चाहते । केन्द्र में जबावदेही ज्यादा होती बचना चाहते । पता चला है कि केंद्र भी अब कड़ा नियम बनने वाली हैं ।

नवाचार, व्यापार और रक्षा: भारत-अमेरिका साझेदारी का स्वर्ण युग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात करने वाली सिद्ध हुई। इस महत्वपूर्ण दौरे ने न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती साख को और अधिक मजबूती प्रदान की। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक विषयों पर गहन विमर्श हुआ। इस यात्रा ने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को अटूट विश्वास और शक्ति से भर दिया, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और भी प्रभावशाली हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती देने हेतु कई महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसले लिए गए। दोनों राष्ट्रों ने व्यापार संतुलन को सुधारने के लिए बहुआयामी रणनीति पर सहमति व्यक्त की, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को नई गति मिलेगी। अत्याधुनिक तकनीकों के आदान-प्रदान और सेमीकंडक्टर उद्योग में साझेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस पहल की गई। व्यापारिक विस्तार और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोलने हेतु कई अहम समझौतों पर विचार किया गया, जिससे नवाचार और औद्योगिक प्रगति को सशक्त दिशा मिलेगी। भारत के उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम को समर्थन देने के उद्देश्य से अमेरिकी कंपनियों द्वारा निवेश की संभावनाओं पर भी गंभीर चर्चा हुई। यह रणनीतिक सहयोग न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य में उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त भी प्रदान करेगा।

भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग इस ऐतिहासिक यात्रा की धुरी बना, जहां दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के संकल्प को सुदृढ़ किया। अमेरिका ने भारत को अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों की आपूर्ति पर सहमति जताई, जिससे भारतीय सैन्य क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। प्रस्तावित एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स की डील न केवल भारत की वायु शक्ति को सशक्त करेगी, बल्कि द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को भी नए आयाम प्रदान करेगी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए क्वाड (QUAD) साझेदारी को और प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी। हिंद महासागर क्षेत्र में नौसैनिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए संयुक्त सैन्य अभ्यास और अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों के आदान-प्रदान पर भी सहमति बनी। यह रणनीतिक सहयोग भारत की समुद्री सुरक्षा नीति को और धारदार बनाएगा तथा वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत की भूमिका को और प्रभावशाली बनाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महत्वपूर्ण यात्रा में वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर व्यापक और गहन विमर्श हुआ। भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर अमेरिका ने मध्यस्थता की पेशकश की, लेकिन भारत ने अपने कूटनीतिक और सामरिक आत्मनिर्भरता पर पूर्ण विश्वास जताते हुए वार्ता के स्वदेशी समाधान को प्राथमिकता देने का स्पष्ट संकेत दिया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को और अधिक धारदार बनाने के लिए भारत और अमेरिका ने अपने संकल्प को नए आयाम दिए। दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में सहयोग बढ़ाने, खुफिया जानकारी के प्रभावी आदान-प्रदान, और साइबर सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए ठोस रणनीतिक कदम उठाने का निर्णय लिया। यह साझेदारी न केवल वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरोध खड़ा करेगी, बल्कि दोनों देशों की सुरक्षा क्षमताओं को भी अभूतपूर्व सशक्त बनाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा में ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देने के लिए कई दूरगामी निर्णय लिए गए। हरित ऊर्जा, स्वच्छ ईंधन और उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और वैज्ञानिक नवाचार को गति देने के उद्देश्य से संयुक्त निवेश की सहमति बनी, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को नया आयाम मिलेगा। अमेरिका ने प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने का आश्वासन दिया, जिससे भारत की ऊर्जा निर्भरता संतुलित होगी और वैश्विक ऊर्जा बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत बनेगी। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों देशों ने हरित तकनीकों और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों पर सहयोग को और विस्तारित करने का निर्णय लिया। यह रणनीतिक गठबंधन भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा और पर्यावरण संरक्षण में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा को भारतीय विदेश मंत्रालय ने अत्यंत प्रभावशाली, उपयोगी और दूरदर्शी करार दिया। इसे भारत-अमेरिका रणनीतिक गठबंधन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला स्वर्णिम अवसर माना गया। इस दौरे ने न केवल द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा दी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। इस यात्रा के फैसलों के दूरगामी प्रभाव होंगे, जो न केवल भारत-अमेरिका संबंधों को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेंगे, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी नए आयाम देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा को भारत-अमेरिका मैत्री और रणनीतिक साझेदारी के एक नए युग की आधारशिला बताते हुए इसे भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका को निर्णायक रूप से सुदृढ़ करने वाला कदम कहा।

यह दौरा व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में असीम संभावनाओं के द्वार खोलने वाला सिद्ध हुआ, जिससे भारत की आर्थिक और सामरिक शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी। इस ऐतिहासिक यात्रा के परिणाम दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों को साधने के साथ-साथ वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति को और अधिक सशक्त बनाएंगे। यह यात्रा भारत को एक आत्मनिर्भर, निर्णायक और वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

प्रो. आरके जैन
"अरिजीत", बड़वानी(मप्र)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**